मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 8 अंक 134
बुधवार, 26 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

अयोध्या में राम मंदिर का धर्मध्वज फहरा, नए युग का उद्घोष

- पीएम मोदी, मोहन भागवत और सीएम योगी की उपस्थिति में शिखर पर लहराया केसरिया ध्वज, 140 करोड़ भारतीयों की आस्था, सम्मान और आत्मगौरव का प्रतीक
- राम मंदिर 140 करोड़ भारतीयों की आस्था और आत्मगौरव का प्रतीक : पीएम मोदी

सुरेश गांधी

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या मंगलवार को इतिहास के ऐसे क्षण की साक्षी बनी, जिसका इंतजार 500 वर्षों से था। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभिजीत मुहूर्त में धर्मध्वज फहराया। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और जयघोष के बीच जैसे ही केसरिया ध्वज शिखर पर पहुंचा, पूरा परिसर जय श्रीराम के उद्गारों से गूंज उठा। उनके साथ आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। यह सिर्फ एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ बताया गया, एक ऐसा युग जिसमें भारत की सांस्कृतिक चेतना, अस्मिता, विकास और विरासत एक साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। ध्वजारोहण के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राम मंदिर पर फहराता यह भगवा ध्वज धर्म, मर्यादा, सत्य-न्याय और राष्ट्रधर्म का प्रतीक है। यह उद्घोष है कि धर्म का प्रकाश अमर है और रामराज्य के मूल्य कालजयी हैं। उन्होंने कहा, करोड़ों भारतीयों के मन में जो विश्वास जागा था, आज वही विश्वास इस भव्य राम मंदिर के रूप में हमारे सामने खड़ा है। यह धर्मध्वज सदियों के सपनों की सिद्धि है।

पीएम मोदी का गुलामी की मानसिकता से मुक्ति पर जोरः पीएम मोदी ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक चेतना को लंबे समय तक दबाया गया, पर आज भारत के कण-कण में राम का संकल्प फिर जीवंत खड़ा है। उन्होंने कहा, भारत को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करना ही होगा। आने वाली सदियों तक यह धर्मध्वज प्रभु राम के आदर्शों और सिद्धांतों का उद्घोष करेगा।

सत्य की ही जीत होती है : पीएम मोदीः प्रधानमंत्री ने धर्मध्वज के संदेश को शब्द देते हुए कहा, यह ध्वज हमेशा उद्घोष करेगा कि सत्य की जीत होती है, असत्य की नहीं। सत्य ही ब्रह्म का स्वरूप है और सत्य में ही धर्म स्थापित है। उन्होंने कहा, ये ध्वज हमें स्मरण कराता रहेगा कि सफलता में अहंकार न आए और असफलता में भी दूसरों के प्रति सम्मान बना रहे।

विकास और रामराज्य की अवधारणाः प्रधानमंत्री ने रामराज्य के सिद्धांतों को वर्तमान शासन से जोड़ते हुए कहा, बिना भेदभाव के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, 50 करोड़ लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा (आयुष्मान भारत), स्वयं रामराज्य की उद्घोषणा है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में दलित, पिछड़ा, आदिवासी, महिला, युवा, हर वर्ग विकास का केंद्र बना है और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरे विश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

सदियों का संकल्प आज सिद्ध हुआ : मोहन भागवतः आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि यह ध्वजारोहण उन तपस्वियों की तपस्या का फल है जिन्होंने सदियों तक संघर्ष किया। उन्होंने इसे भारत की सांस्कृतिक अस्मिता के पुनर्जागरण का क्षण बताया।

अयोध्या संघर्ष से निकलकर उत्सवों की वैश्विक राजधानी बनी : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस क्षण को नए युग का शुभारंभ कहा। उन्होंने कहा, यह मंदिर भारत की संकल्पना का प्रतीक है। संकल्प का कोई विकल्प नहीं। लाठी-गोली खाएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे का नारा आज पूर्णता को प्राप्त हुआ। योगी ने कहा कि बीते सात वर्षों में अयोध्या, महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, सोलर सिटी का दर्जा, रामपथ, जन्मभूमि मार्ग, पंचकोसी-चौदहकोसी परिक्रमा मार्ग, स्मार्ट सिटी सुविधाएं, के साथ आधुनिकता, आस्था और अर्थव्यवस्था के नए युग में प्रवेश कर चुकी है।

धर्मध्वज : संघर्ष, संकल्प और सिद्धि का प्रतीक भव्य शिखर पर फहराया गया विशेष केसरिया धर्मध्वज, 10 फीट ऊंचा, 20 फीट लंबा, सूर्यवंश की थाती दीप्तिमान सूर्य चिह्न, कोविदार वृक्ष का प्रतीक, जो देववृक्षों के गुणों का समुच्चय है, और ॐ का अंकन, सब मिलकर धर्म, सत्य, एकता और सांस्कृतिक निरंतरता का प्रतीक बनते हैं। यह ध्वज बताता है कि प्राण जाए पर वचन न जाए, यही रामराज्य का मूल है।

हिंदू विरोधी होने के आरोपों पर बीआर गवई का तीखा पलटवार

नई दिल्ली। पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि उन पर हुए जूता हमले का उन पर कोई असर नहीं पड़ा और उन्हें हिंदू विरोधी कहने के आरोप पूरी तरह निराधार हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनका विवेक साफ है, क्योंकि उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कानून और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया था। जूता फेंकने की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, गवई ने कहा कि मेरा हमेशा से मानना ??रहा है कि कानून की गरिमा किसी को सजा देने में नहीं, बल्कि किसी को माफ करने में है।ह उन्होंने अपने इस कृत्य का श्रेय अपनी परवरिश और अपने परिवार से सीखे गए क्षमा के मूल्यों को दिया। गवई ने हिंदू भावनाओं का अपमान करने के किसी भी सुझाव को दृढ़ता से खारिज करते हुए कहा कि इसका (हिंदू भावनाओं का अपमान करने का) कोई सवाल ही नहीं है। मैं मंदिरों, दरगाहों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और चर्चों में गया हूं। इस घटना और उसके बाद सोशल मीडिया पर हुई ट्रोलिंग पर बात करते हुए गवई ने कहा कि इससे मुझ पर कोई खास असर नहीं पड़ा। क्योंकि मेरा जमीर साफ था। मैंने हमेशा कहा है कि मैं सभी धर्मों का बहुत सम्मान करता हूँ। मेरे पिता बहुत ही धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति थे। मैंने उनके गुणों को आत्मसात करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने जूता फेंकने वाले व्यक्ति को माफ किया, तो उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि यह गुस्सा भगवान विष्णु की मूर्ति मामले पर उनकी टिप्पणी से जुड़ा था। उन्होंने बताया कि उनकी प्रतिक्रिया सहज और उनके सिद्धांतों के अनुरूप थी। घटना के बाद, गवई ने सार्वजनिक टिप्पणी करते समय संयम बरतने की जरूरत पर जोर दिया, क्योंकि सच्ची या हल्के-फुल्के अंदाज में कही गई टिप्पणियों का गलत मतलब निकाला जा सकता है।

स्टर्लिंग ग्रुप के प्रमोटरों को सुप्रीम कोर्ट की राहत, 5100 करोड़ रु. जमा करने पर संदेसरा बंधुओं के केस बंद होंगे

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने बैंक धोखाधड़ी के एक मामले में ?5,100 करोड़ के समझौते के तहत स्टर्लिंग बायोटेक लिमिटेड और स्टर्लिंग एसईजेड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के प्रवर्तकों, भगोड़े व्यवसायियों नितिन और चेतन संदेसरा के खिलाफ सभी आपराधिक कार्यवाही रद्द करने पर सहमति जताई है। एक छोटे से चाय-व्यापार व्यवसाय को एक विविध समूह में बदलने वाले अरबपति भाई, भारतीय बैंकों से 1.7 अरब डॉलर से अधिक की धोखाधड़ी के आरोप के बाद 2017 में देश छोड़कर भाग गए थे। बाद में, उन्हें 2018 में किंगफिशर एयरलाइंस के संस्थापक विजय माल्या और हीरा व्यापारी नीरव मोदी और मेहुल चोकसी के साथ 14 भगोड़े आर्थिक अपराधियों की सूची में शामिल किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने बैंक धोखाधड़ी से जुड़े स्टर्लिंग ग्रुप के प्रमोटर नितिन और चेतन संदेसरा को बड़ी राहत देते हुए आदेश दिया है कि यदि वे 5100 करोड़ रुपए जमा कर देते हैं, तो उनके खिलाफ चल रही सभी लंबित आपराधिक और जांच कार्यवाहियां पूर्णतः समाप्त मानी जाएंगी। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने यह आदेश पिछले सप्ताह जारी करते हुए स्पष्ट किया कि यह फैसला मामले की विशिष्ट परिस्थितियों में दिया गया है और इसे भविष्य में मिसाल के तौर पर नहीं देखा जाएगा।

संदेसरा भाई, जिन्होंने चाय के छोटे व्यवसाय से शुरूआत कर स्टर्लिंग ग्रुप बनाया, पर 2017 में भारतीय बैंकों से 1.7 बिलियन डॉलर (करीब 12,000 करोड़ रु.) की धोखाधड़ी का आरोप लगा था। इसके बाद वे देश छोड़कर फरार हो गए और 2018 में विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी के साथ 14 भगोड़े आर्थिक अपराधियों की सूची में शामिल किए गए। सीबीआई की एफआईआर के अनुसार कथित घोटाले की रकम 5383 करोड़ रुपए थी। बाद में बैंकों के साथ वन टाइम सेटलमेंट में भारतीय कंपनियों पर 3826 करोड़ और विदेशी गारंटर कंपनियों पर 2935 करोड़ रु. बकाया निर्धारित हुआ।

कर्नाटक में सीएम पद को लेकर घमासानः सिद्धारमैया ने आलाकमान से भ्रम दूर करने की अपील

कर्नाटक, 26 नवम्बर। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की चचाओं के बीच, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस आलाकमान को उचित निर्णय लेकर भ्रम की स्थिति को दूर करना चाहिए। डीके शिवकुमार खेमे के विधायकों द्वारा नेतृत्व परिवर्तन के लिए पार्टी आलाकमान पर दबाव बढ़ाने के लिए दिल्ली पहुँचने पर, सिद्धारमैया ने कहा कि वह पार्टी के शीर्ष नेताओं द्वारा लिए गए निर्णय का पालन करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विधायक अपनी राय साझा करने के लिए नेतृत्व से मिलने के लिए स्वतंत्र हैं।

सिद्धारमैया ने विधायकों को लेकर कहा कि उन्हें जाने दीजिए, विधायकों को आजादी है। देखते हैं वे क्या राय देते हैं। आखिरकार,

आलाकमान को ही फैसला लेना है। हम आलाकमान की बात मानेंगे। शिवकुमार खेमे के 15 से ज्यादा विधायक दिल्ली में हैं और कथित तौर पर पार्टी में पहले से तय बारी-बारी से होने वाली व्यवस्था के तहत शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने पर जोर दे रहे हैं। कर्नाटक कांग्रेस में मचे घमासान के बीच सिद्धारमैया ने शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ व्यापक चर्चा की। मुख्यमंत्री जहाँ कैबिनेट फेरबदल को प्राथमिकता दे रहे हैं, वहीं शिवकुमार चाहते हैं कि आलाकमान पहले नेतृत्व परिवर्तन पर फैसला ले। इससे पहले सोमवार को कर्नाटक के उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि सिद्धारमैया के शब्द उनके लिए ₹वेद वाक्य₹ या पवित्र कथन जैसे हैं। उन्होंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री को कांग्रेस पार्टी की एक बहुमूल्य संपत्ति बताया और कहा कि सरकार में सभी लोग उनके मार्गदर्शन में मिलकर काम कर रहे हैं। नेतृत्व परिवर्तन के बारे में पूछे जाने पर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि किसी भी बदलाव पर अंतिम फैसला पार्टी का शीर्ष नेतृत्व लेगा। उन्होंने कहा, मुझे कुछ नहीं कहना है। आप तीन दिन से लगातार यहाँ खड़े हैं। यहाँ जो कुछ भी हो रहा है, उसके बारे में कुछ नहीं कहना है। जो भी होगा, आलाकमान करेगा। इस बारे में ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है।

कोलकाता में एसआईआर पर घमासान

कोलकाता। कोलकाता में सोमवार देर रात चुनाव आयोग के मुख्य कार्यालय के बाहर माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया, जब बीजेपी और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। मौजूद जानकारी के अनुसार, दोनों दलों के समर्थक विशेष गहन संशोधन प्रक्रिया को लेकर भिड़ गए, जिसके बाद पुलिस को तुरंत बैरिकेड लगाकर स्थिति को काबू में करना पड़ा है।

बता दें कि SIR प्रक्रिया इस समय पूरे पश्चिम बंगाल में चल रही है और इसी को लेकर सोमवार रात बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी चुनाव कार्यालय के मुख्य द्वार पर जमा हो गए।

बीजेपी उत्तर कोलकाता जिला अध्यक्ष तमोघ्न घोष ने अठक से बातचीत में आरोप लगाया कि ळटउ के लोग रात में कार्यालय पहुंचकर संशोधन प्रक्रिया से छेड़छाड़ करने की कोशिश कर रहे थे।

आनंदपुर साहिब बनेगा 'हेरिटेज स्ट्रीट', सीएम मान का बड़ा ऐलान, पवित्रता बनाए रखने की अपील

पंजाब, 25 नवम्बर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घोषणा की कि आनंदपुर साहिब में एक हेरिटेज स्ट्रीट सिटी बनाई जाएगी और लोगों से इस पवित्र शहर की पवित्रता को बनाए रखने का आह्वान किया। उनका यह संदेश पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र के एक दिन बाद आया है, जो गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत की वर्षगांठ के तीन दिवसीय स्मरणोत्सव का हिस्सा था। यह सत्र पंजाब के आनंदपुर साहिब में आयोजित किया गया था।

मुख्यमंत्री मान ने यहाँ एक सभा को संबोधित करते हुए कहा आनंदपुर साहिब में एक हेरिटेज स्ट्रीट बनाई जाएगी। आप जल्द ही शहर में एक बड़ा बदलाव देखेंगे। आनंदपुर साहिब को पवित्र शहर का दर्जा दिया गया है और अब इसकी पवित्रता को बनाए रखना और बनाए

रखना हमारी ज़िम्मेदारी है। इस बीच, आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि आज हमारे देश में एक धर्म दूसरे धर्म से बिना किसी मतलब के लड़ रहा है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विभिन्न समुदायों के लोगों को शांति से रहना चाहिए। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना विश्व में चल रहे वर्तमान युद्धों का भी उल्लेख किया और धार्मिक बहुलवाद के लिए गुरु तेग बहादुर के प्रयासों पर प्रकाश डाला।

केजरीवाल ने यहां एक सभा में कहा कि आज दुनिया भर में इतने युद्ध चल रहे हैं... हमारे देश में धर्म के नाम पर कितने युद्ध चल रहे हैं?... गुरु तेग बहादुर जी ने क्या किया?

उन्होंने दूसरे हिंदू धर्म की रक्षा के लिए अपना शीश बलिदान कर दिया। अगर हम सब इसे अपना लेंः दूसरे धर्म की रक्षा के लिए सब कुछ बलिदान कर देना। पूरी दुनिया में सभी युद्ध समाप्त हो जाएँगे। हर जगह शांति होगी... आज हमारे देश में एक धर्म दूसरे धर्म से लड़ रहा है... इन युद्धों का क्या मतलब है? कोई मतलब नहीं है। हमें शांति से रहना चाहिए।

गुरु तेग बहादुर, जिन्हें हिंद की चादर के रूप में याद किया जाता है, ने 1675 में आस्था की स्वतंत्रता के अधिकार को कायम रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनकी शहादत भारत के सामाजिक-धार्मिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है, जो बहुलवाद और नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा का प्रतीक है। राज्य सरकार ने कहा कि इस समारोह का उद्देश्य करुणा, समानता और लचीलेपन पर उनकी शिक्षाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

4 दिवसीय प्रवास पर रहेंगे केंद्रीय मंत्री सिंधिया

भोपाल। केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य म. सिंधिया 26 से 30 नवंबर 2025 तक गुना संसदीय क्षेत्र के चार दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे लगभग ?200 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे, जिससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी और जनता को महत्वपूर्ण सौगातें प्राप्त होंगी।अपने प्रवास के दूसरे दिन, 27 नवंबर को सिंधिया गुना में जनसंपर्क कार्यक्रमों में शामिल होंगे और इसके बाद मुदरा हनुमान (वि.स. बमोरी), सिंघवासा, गुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (भूमिपूजन), पटवई हाई स्कूल तथा करोद सबस्टेशन सहित कई स्थलों पर विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे।

संविधान दिवस– 26 नवम्बर 2025

संविधानः लोकतंत्र की आत्मा और सुशासन का आधार

-ललित गर्ग

संविधान किसी भी राष्ट्र का चरित्र, मयार्दा और दिशा निर्धारित करता है। यह केवल विधिक दस्तावेज नहीं होता, बल्कि एक जीवंत मूल्य-व्यवस्था होती है जो राष्ट्र की आत्मा को परिभाषित करती है। संविधान दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र की स्थिरता, एकता और प्रगति का आधार हमारे संविधान की दूरदर्शिता, उदारता और संतुलन है। इसलिए किसी भी राष्ट्र में सुशासन की पहली और अनिवार्य शर्त यही है कि संविधान सर्वोच्च प्राथमिकता पर रहे, केवल शासन के लिए ही नहीं, बल्कि नागरिक जीवन के हर व्यवहार, आचरण और विचार में भी।

भारत गणराज्य का संविधान 26 नवम्बर 1949 को बनकर तैयार हुआ था। संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ॰ भीमराव आंबेडकर के 125वें जयंती वर्ष के रूप में 26 नवम्बर 2015 से भारत सरकार द्वारा संविधान दिवस सम्पूर्ण भारत में हर वर्ष मनाया जा रहा है। इससे पहले इसे राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था। संविधान सभा ने भारत के संविधान को 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में 26 नवम्बर 1949 को पूरा कर राष्ट्र

को समर्पित किया और 26 जनवरी 1950 से संविधान अमल में लाया गया। भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता, व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता, सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया।

भारत का संविधान दुनिया के सबसे विस्तृत एवं आधुनिक संविधानों में माना जाता है। यह हमें केवल अधिकार ही नहीं देता, बल्कि कर्तव्यों की भावना भी जगाता है। यह हमें समानता, न्याय और स्वतंत्रता से सज्जित करता है, साथ ही यह भी बताता है कि इन आदर्शों को जीवित रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। जब किसी राष्ट्र में संविधान की अवहेलना शुरू होती है, तब लोकतंत्र डगमगाने लगता है। इसलिए संविधान का सम्मान करना एक विधिक प्रक्रिया का पालन मात्र नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र की बुनियाद है। आज संविधान दिवस पर यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि संविधान की प्रासंगिकता आज भी उतनी ही दृढ़ता से बनी हुई है या नहीं? उत्तर स्पष्ट है-हाँ, क्योंकि हमारा समाज परिवर्तनशील है, चुनौतियाँ बदलती हैं, लेकिन न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे मूल आदर्श समय से परे हैं। संविधान की उपयोगिता तभी सिद्ध होती है जब शासनकर्ता उसे सर्वोपरि मानें और नागरिक उसे जीवन का नैतिक मार्गदर्शक बनाएं।

इसी संदर्भ में यह भी विचारणीय है कि संविधान को केवल हाथ में लेकर जगह-जगह प्रदर्शन करना, जैसाकि कुछ राजनीतिक नेता, विशेषकर राहुल गांधी, करते हैं, क्या सचमुच संविधान के सम्मान का प्रतीक है? संविधान की प्रति का सार्वजनिक प्रदर्शन तब सार्थक होता है जब उसके मूल्यों को जीवन में उतारा जाए, उसके अनुच्छेदों का पालन किया जाए, उसके प्रति संयम, गरिमा और श्रद्धा रखी जाए। संविधान को राजनीतिक हथियार बनाकर भीड़ भावनाओं को उकसाने का प्रयास, संविधान की आत्मा के विरुद्ध है। संविधान को मंचों पर लहराना सम्मान नहीं, बल्कि उसकी गंभीरता का अवमूल्यन है। संविधान कोई राजनीतिक पोस्टर या प्रदर्शन की वस्तु नहीं, वह राष्ट्र की मयार्दा का दस्तावेज है, जिसे विवेक, संयम और ईमानदारी से समझने एवं पालन करने की आवश्यकता होती है। संविधान निमार्ता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का दृष्टिकोण भी यही रहा कि संविधान तभी सफल होगा जब उसके अनुयायी चरित्रवान, प्रतिबद्ध और राष्ट्रहित साधक हों। बाबा साहेब ने कहा था-ह्लसंविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे चलाने वाले अच्छे नहीं होंगे तो वह खराब सिद्ध होगा।ह्व उनका यह चिंतन आज सबसे अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने संविधान को बनाया, पर उससे भी अधिक उन्होंने एक नैतिक चेतना जागृत की कि संविधान की शक्ति उसके लेखों में नहीं, बल्कि उस नागरिक चेतना में है जो उसे पालन करने के लिए तैयार रहती है। अंबेडकर का यह भी आग्रह था कि संविधान को केवल राजनीतिक बहस का साधन न बनाया जाए, बल्कि समाज सुधार और मनुष्य निर्माण की दिशा में उसका प्रयोग हो। उनके अनुसार संविधान को समझना यानी भारतीय समाज की आत्मा को समझना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संविधान को सर्वोच्च सम्मान देते हुए उसे शासन का आधारस्तंभ बनाया है। वे बार-बार कहते रहे हैं कि ह्लसंविधान हमारी शासन-व्यवस्था का पवित्र ग्रंथ है।ह्व उनकी दृष्टि में संविधान केवल कानूनों का संग्रह नहीं बल्कि अच्छे शासन, सामाजिक विश्वास और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। संसद के आरंभिक सत्र हों, प्रमुख राष्ट्रीय अवसर हों या आम जनता से संवाद, हर बार उन्होंने संविधान को सर्वोच्च स्थान दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि ह्लसंविधान का पालन करना केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति का सर्वोच्च रूप है। उनकी सरकार की प्राथमिकता यही रही है कि प्रत्येक नीति, प्रत्येक निर्णय और प्रत्येक योजना संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हो। मोदी के नेतृत्व में कई ऐसे प्रयास हुए जिनका उद्देश्य संविधान के प्रति जन-जागरण बढ़ाना था, जैसे संविधान के प्रति कर्तव्य पालन अभियान, लोकतांत्रिक संस्थाओं को सुदृढ़ करना, पारदर्शी शासन एवं नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा। उन्होंने संविधान दिवस को केवल समारोह न बनाकर राष्ट्रीय आत्मचिंतन का पर्व बनाने का प्रयास किया, जिससे हर नागरिक संविधान को केवल पढ़े नहीं बल्कि महसूस करे, समझे और जिए।

संविधान का सम्मान केवल शासन की जिम्मेदारी भर नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक के जीवन का हिस्सा होना चाहिए। यदि नागरिक संविधान को केवल विद्यालयों की पाठ्यपुस्तकों में सीमित मानते रहेंगे, तो यह राष्ट्र अपने लोकतांत्रिक आदर्शों से दूर होता जाएगा। संविधान का वास्तविक सम्मान तब है जब हम अपने दैनिक जीवन में समानता का पालन करें, न्याय को महत्व दें, धर्मनिरपेक्ष दृष्टि रखें, किसी के साथ भेदभाव न करें, हिंसा या अराजकता के बजाय संवाद एवं शांति का मार्ग चुनें। आज जब दुनिया में असहिष्णुता, चरमपंथ और राजनीतिक कटुता बढ़ रही है, तब हमारा संविधान एक शीतल छाया की तरह हमें संरक्षण देता है। यह हमें बताता है कि राष्ट्र केवल सत्ता परिवर्तन का खेल नहीं बल्कि मूल्यों की निरंतरता है। संविधान इन्हीं मूल्यों को स्थिर रखता है।

संविधान दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि संविधान का सम्मान केवल राष्ट्रीय पर्वों पर नहीं बल्कि प्रतिदिन के जीवन में होना चाहिए। नागरिकों के मन में संविधान के प्रति आदर की आदत विकसित हो, यह तभी संभव है जब समाज में संवैधानिक शिक्षण को मजबूत किया जाए, देश के नागरिकों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध कराया जाए और हर स्तर पर संवैधानिक आचरण को प्रोत्साहित किया जाए। आज आवश्यकता है कि संविधान को राजनीतिक विवादों से ऊपर उठाया जाए। उसे नारा, प्रदर्शन और विरोध की वस्तु न बनाया जाए। बल्कि उसे एक ऐसे प्रकाश स्तंभ के रूप में देखा जाए जो हमें न्यायपूर्ण, समतामूलक और शांतिपूर्ण समाज की ओर ले जाता है। यदि हम संविधान का सम्मान करेंगे तो राष्ट्र मजबूत होगा; यदि हम इसकी अवमानना करेंगे तो लोकतंत्र कमजोर होगा।

संविधान दिवस केवल इतिहास का स्मरण नहीं है, यह भविष्य की जिम्मेदारी का बोध भी है। इसे मनाते हुए हमें अपनी राष्ट्रीय प्रतिज्ञा दोहरानी चाहिए कि हम संविधान की रक्षा करेंगे, उसके मूल्यों को जीवन में उतारेंगे और अपने देश को ऐसा बनाएंगे जैसा हमारे संविधान ने परिकल्पित किया है, न्यायपूर्ण, समानतामूलक, स्वतंत्र और बंधुत्वपूर्ण। इसी में भारत का भविष्य है, इसी में हमारी लोकतांत्रिक शक्ति का चरम है, और इसी में एक प्रगतिशील राष्ट्र की आत्मा बसती है।

ही-मैन धर्मेंद्र को श्रद्धांजलिः सदियों तक याद रहने वाला बॉलीवुड का अमर सितारा

-अजय कुमार

हिंदी सिनेमा के रूपहले पर्दे पर एक ऐसा नाम जिसने सात दशक तक अपनी चमक से परचम लहराया, वह नाम था धर्मेंद्र। पंजाब की मिट्टी से उठकर बॉलीवुड की सबसे बुलंद ऊंचाइयों तक पहुंचने वाले इस अभिनेता ने जो सफर तय किया, वह किसी सपने से कम नहीं। वह सिर्फ सुपरस्टार नहीं थे, बल्कि ऐसे कलाकार थे जिनके संवाद, जिनकी मुस्कान और जिनकी बहादुरी का अंदाज लोगों के दिलों में हमेशा जिंदा रहेगा। उन्हें ही-मैन कहा गया, ग्रीक गॉड कहा गया, और यही दर्जे उन्हें उनकी प्रतिभा, सरलता और अदम्य हौसले ने दिलाए। आज लाखों-करोड़ों प्रशंसकों के दिलों में एक टीस है दुख है और कहीं न कहीं एक मलाल भी। उन्होंने अपने चहेते सितारे को वह विदाई नहीं दे पाई, जिसके वे सच्चे हकदार थे। अंतिम पलों तक अस्पताल से घर तक जो गोपनीयता बरती गई, उसने उनके चाहने वालों को बेचैन रखा। किसी महानायक को विदा देने का अपना एक तरीका होता है। लोगों को उनकी झलक आखिरी बार देखने का हक होता है। पर इस बार यह हक छिन गया। यही सोचकर हर धर्मेंद्र प्रेमी का दिल भारी है।लेकिन जाने वाले चले जाते हैंङ्क रह जाता है उनका काम, उनका प्यार, और उनकी अमर कहानी। धर्मेंद्र की कहानी ऐसी ही है। गांव के साधारण लड़के धरम सिंह देओल का मुंबई जाकर धर्मेंद्र बन जाना, और वहां लाखों दिलों पर राज करना। मिनर्वा सिनेमा में एक फिल्म देखते हुए उनके दिल में जो सपना जागा था, उसने पूरी दुनिया को चमत्कृत कर दिया। छठीं में पढ़ता एक सीधा-सादा लड़का, जिसे अपने स्कूल में पहली बार किसी से मासूम प्यार हुआ। वही लड़का बाद में भारतीय सिनेमा का सबसे आकर्षक चेहरा बना।

धर्मेंद्र ने अभिनय की शुरूआत उन फिल्मों से की, जिनमें उन्होंने भावनाओं की गहराई और इश्क की सादगी दिखाई। लेकिन असली तूफान तब आया, जब वह ऐक्शन के राजा बन गए। उन्होंने बॉडीबिल्डिंग को बॉलीवुड में नया स्थान दिया। मजबूत कंधे, दमदार आवाज, और सामने खड़ा विलेन हो या हालात धर्मेंद्र कभी पीछे नहीं हटते थे। शोले में वीरू के किरदार ने पूरे देश को हिला दिया। वह सिर्फ मजाकिया बहादुर ही नहीं थे, बल्कि दोस्ती का सबसे खूबसूरत प्रतीक भी थे। बसंती, इन कुत्तों के सामने मत नाचना। यह सिर्फ संवाद नहीं था, एक मर्द की असली संवेदनशीलता की पहचान था उनकी फिल्में जैसे मेरा गाँव मेरा देश, यादों की बारात, जुगनू, शालीमार, चरस, द बर्निंग ट्रेन हर दशक में धर्मेंद्र के नाम की गारंटी ही फिल्म की सफलता की गारंटी थी। ऐसा कम होता है कि दो-दो सुपरस्टार राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन के दौर में कोई तीसरा कलाकार उसी दमखम से छाया रहे। पर धर्मेंद्र छाए रहे क्योंकि वह राजनीति और कैंपबाजी से दूर थे। वह किसी गुट का हिस्सा नहीं, बल्कि पूरी इंडस्ट्री के चहेते थे। उनके चेहरे पर कभी अहंकार की झलक नहीं आई। जितने बड़े स्टार, उतने ही जमीन से जुड़े इंसान। और जब वह रोमांस करते थे तो पर्दा पिघल जाता था। दर्शक मान लेते थे कि प्रेम इतना ही सहज, उतना ही खरा होता है। हेमा मालिनी के साथ उनकी जोड़ी तो आज भी दिलों में ताजा है। वह रिश्ते में भी उतने ही सच्चे थे, जितने पर्दे पर दिखाई देते थे। उनकी हंसी में पंजाब की मिट्टी की खुशबू थी, उनकी आंखों में जज्बातों की सच्चाई।

समय बदला, दौर बदला, पर धर्मेंद्र की चमक नहीं घटी। जब कई बड़े सितारे अस्सी के दशक में फ्लॉप होने लगे थे, वह तब भी हिट पर हिट देते रहे लोहा, हुकूमत, कातिलों के कातिल जैसी फिल्में इस बात की गवाह हैं। यही कारण था कि उनकी फैन-फॉलोइंग तीन-तीन पीढ़ियों तक फैली। दादा भी उनके दीवाने, बेटा भी और पोता भी।आज जब वह हमारे बीच नहीं हैं, तो लोग टूटे हुए हैं। सोशल मीडिया से गलियों तक बस एक ही सवाल आखिर क्यों उनके अंतिम संस्कार में वह राष्ट्रीय सम्मान नहीं मिला, जिसके वह हकदार थे? क्यों वह चेहरे जिन्हें आखिरी बार देखकर लोग चैन पाते, उन्हें देखने का मौका किसी को नहीं मिला? क्यों ही-मैन को एक गहरे शीशों वाली एंबुलेंस में चुपचाप ले जाया गया? उनके चाहने वालों की पीड़ा यह सोचकर और बढ़ जाती है कि उनकी अंतिम यात्रा चुपके से पूरी हो गई, जबकि वह पूरी दुनिया के नायक थे।

पर शायद उनका परिवार नहीं चाहता था कि उनका आखिरी दृश्य भीड़, शोर और अफरातफरी में बदले। धर्मेंद्र जिंदगी भर शोहरत में रहे, शायद जाना उन्होंने सादगी से चाहा। फिर भी दिल तो फैंस का ही होता हैङ्क उसकी उम्मीदें हमेशा कुछ और चाहती हैं। धर्मेंद्र की जिंदगी में जितने चकाचौंध वाले दिन थे, उतनी ही भावुक यादें भी थीं। वह अपने स्कूल, अपनी मिट्टी, अपने साहनेवाल को कभी नहीं भूले। जब भी जाते, बचपन के दोस्तों से मिलते, अपने पिता की पुरानी कुर्सी देखकर भावुक हो जाते। यह वही धर्मेंद्र थे सुपरस्टार भी और बहुत बड़ा इंसान भी।आज जब हम उनकी फिल्मों के दृश्य याद करते हैं शोले का टंकी वाला वीरू, चुपके-चुपके का विनम्र प्रोफेसर, मेरा गाँव मेरा देश का बदला लेने वाला हीरो तो महसूस होता है, यह कलाकार कभी बुजुर्ग नहीं हुआ। वह हमेशा जवान रहा, हमेशा जिंदादिल रहा। यह विडंबना ही है कि जिसे दुनिया ने हाथों-हाथ सिर पर बैठाया, उसी दुनिया से उनका अंतिम मिलन अधूरा रह गया। लेकिन यह अधूरापन ही उनके प्रति लोगों का सच्चा प्रेम है। जब जनता किसी कलाकार के जाने पर रो पड़ती है तो यही सबसे बड़ा राष्ट्रीय सम्मान है। उन्हें सलामी बंदूकों से नहीं, करोड़ों दिलों से मिली।धर्मेंद्र जैसे सितारे मरते नहीं। वे सिर्फ पर्दे के पीछे चले जाते हैं। उनकी आवाज, उनकी हंसी, उनके संवाद, उनका अंदाज हमेशा जिंदा रहेगा। आने वाली पीढ़ियाँ भी जब वीरू की शरारतें देख हंसेंगी, जब गांव के नायक को बंदूक थामे देख रोमांचित होंगी तब धर्मेंद्र फिर से परदे पर लौट आएंगे।आज हम सिर्फ इतना कहना चाहते हैं कि धरम जी, आपने हमें प्यार, हिम्मत और सादगी सिखाई। आप चले गए, पर हम आपको भूल नहीं पाएंगे और आपकी विरासत सदियों तक ज़िंदा रहेगी। ईश्वर आपकी आत्मा को शांति दे। अफसोस यह है कि हम आपको आखिरी बार देख भी न पाए, पर विश्वास यह है कि आप हर दिल में हमेशा दिखाई देंगे।

आज का आईपीएस गलती नहीं देखता, सीधे अपराध ढूंढ लेता हैः विश्वभूषण मिश्र

वाराणसी के पावन हृदय श्री काशी विश्वनाथ धाम इन दिनों न केवल अपनी भव्यता और व्यवस्था के लिए चर्चा में है, बल्कि उसके मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र के एक साहसिक वक्तव्य ने पूरे प्रशासनिक तंत्र को सोचने पर मजबूर कर दिया है। मंदिर के आध्यात्मिक और प्रशासनिक धड़कन मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र का एक बयान पूरे पुलिस प्रशासन को आईना दिखाने वाला है। उनका एक बयान पुलिस व्यवस्था की संवेदनहीनता और वर्तमान प्रशासनिक सोच पर गहरी चोट करता है। मिश्र का कहना है कि आज समाज में जितनी अव्यवस्था दिख रही है, उसकी जड़ें केवल सामाजिक या राजनीतिक कारकों में नहीं, बल्कि पुलिस व्यवस्था के शीर्ष पदों, आईपीएस अधिकारियों की संवेदनहीन कार्यशैली व कठोर कार्यपद्धति में भी छिपी हैं, जो छोटी गलतियों पर भी युवाओं पर मुकदमे ठोंककर उनका भविष्य दांव पर लगा देती है। यह केवल एक टिप्पणी नहीं, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति की जीवनानुभूति है, जिसने आम परिवार से उठकर प्रशासन के सर्वोच्च पदों तक की यात्रा देखी है। विश्वभूषण मिश्र की भाषा में सादगी है, लेकिन उनके भीतर अपने दौर की पुलिस व्यवस्था और वर्तमान सिस्टम की कठोरता के प्रति गहरा दर्द भी दिखता है। वह प्रश्न उठाते हैं कि जब हमारे दौर का साधारण कॉन्स्टेबल छोटी गलतियों पर डांटकर सुधार देता था, तब आज का उच्चाधिकारी वही गलतियां युवाओं के भविष्य पर मुकदमे की तलवार बनाकर क्यों दर्ज करता है? मिश्र खुद को उदाहरण बनाते हुए कहते हैं कि यदि आज जैसा सिस्टम तब होता, तो वे शायद जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ पाते, धाम के इस जिम्मेदार पद पर तो कतई नहीं पहुंचते। इस विशेष वार्ता में उन्होंने न सिर्फ पुलिसिंग की बदलती मानसिकता पर सवाल उठाए, बल्कि समाज, शिक्षा जगत, युवाओं और प्रशासन को संवेदनशील व यथार्थवादी दृष्टि अपनाने की सलाह भी दी। उनकी यह वार्ता इस कटु सत्य को भी सामने रखती है कि कठोरता और कानून लागू करने की होड़ में हम समाज के युवाओं से उनका दूसरा मौका, उनका भविष्य, छीन रहे हैं. प्रस्तुत है सीनियर रिर्पोटर सुरेश गांधी की विश्वभूषण मिश्र के साथ हुए बातचीत के प्रमुख अंशः-

सवालः आप ने कहा, ह्यसमाज की अव्यवस्था के लिए आईपीएस जिम्मेदार हैं। यह बहुत बड़ा और विवादस्पद बयान है। इसके पीछे आपकी मूल भावना क्या है?

विश्वभूषण मिश्रः देखिए, व्यवस्था तभी बिगड़ती है जब उसका संचालन करने वाले लोग जमीनी वास्तविकताओं से कट जाते हैं। आज समाज में जो अव्यवस्था दिखाई दे रही है, गुस्सा, विरोध, हिंसा, तनाव, उसकी एक बड़ी वजह पुलिसिंग की कठोरता और संवेदनहीनता है। आईपीएस अधिकारी कानून को लागू करने के नाम पर हर छोटी बात को अपराध की श्रेणी में डाल देते हैं। यदि कॉलेज के दो बच्चे लड़ लिए, या किसी ने गुस्से में कोई शब्द बोल दिया, तो यह गलती है, अपराध नहीं। लेकिन आज का पुलिस तंत्र गलती और अपराध में फर्क करना भूल गया है। इसी संवेदनहीनता के कारण समाज में अव्यवस्था पैदा होती है। डर और दबाव से समाज नहीं चलता, संतुलन और समझ से चलता है।

सवालः क्या यह बदलाव सिर्फ पुलिस तंत्र की समस्या है या समय के साथ सामाजिक संरचना भी बदली है?

मिश्रः बदलाव समाज में भी आया है, लेकिन पुलिस में ज्यादा आया है। पहले पुलिस समाज का ह्यहिस्साह्व थी, लोगों के बीच, लोगों के साथ। आज पुलिस एक ह्यएजेंसीह्व बन गई है, जो समाज के ऊपर खड़ी होकर कानून लागू करती है। समस्या यह है कि अधिकारी मानते हैं कि व्यवस्था सख्ती से चलती है; पर सख्ती अक्सर अव्यवस्था पैदा करती है, व्यवस्था नहीं। समाज जितना वैविध्यपूर्ण है, पुलिसिंग उतनी ही संवेदनशील होनी चाहिए। लेकिन आज वही संवेदनशीलता गायब है।

सवालः आप अक्सर ह्यछोटी गलती पर एफआईआर की बात करते हैं। क्या आपको लगता है कि आईपीएस का अत्यधिक दखल कॉलेज और युवा जीवन को नकारात्मक दिशा में धकेल रहा है?

मिश्रः बहुत स्पष्ट रूप से, हाँ। आज का युवक भावुक है, तेज है, डिजिटल है, लेकिन नासमझ भी है। गलती करना उम्र का हिस्सा है। लेकिन यह कैसी पुलिसिंग है, जो किशोर भावनाओं को भी अपराध मान लेती है? एक लड़के ने बाइक तेज चला दी, एफआईआर। दो साथियों में बहस हो गई, एफआईआर। किसी छोटे मजाक पर विवाद हुआ, एफआईआर। क्या एफआईआर ही पुलिस का पहला हथियार है? क्या पुलिस चेतावनी देना भूल गई है? क्या दंड का पहला स्तर सबसे कठोर ही होना चाहिए? ये सवाल आज की आईपीएस मानसिकता पर उठते हैं। जो अधिकारी कल तक छात्र थे, वे आज छात्रों को अपराधी बना रहे हैं। यही सबसे बड़ी विडंबना है।

सवालः आपने कहा कि पहले के कॉन्स्टेबल भी गलतियां समझते थे। क्या आप अपने अनुभव साझा करना चाहेंगे?

मिश्र (मुस्कुराते हुए): हम सब ने जवानी में गलतियां की हैं। आज किसी बच्चे पर एफआईआर लिखने वाले कई आईपीएस भी अपनी युवावस्था में गलती करते थे, यह बात वे भूल जाते हैं। जब हम कॉलेज में थे, शरारतें भी होती थीं, झगड़े भी। कभी-कभी कॉन्स्टेबल पकड़ लेता था। हमारे जमाने के पुलिसकर्मी कड़क थे, लेकिन दिल के नरम भी थे। डांट पड़ती थी, चेतावनी मिलती थी, कभी-कभी थप्पड़ भी। लेकिन गलती वहीं खत्म। कोई रिकॉर्ड नहीं, कोई मुकदमा नहीं। उसी सुधार की वजह से हम आगे बढ़ पाए। आज वही गलती किसी छात्र से हो जाए तो आईपीएस के दफ्तर से आदेश आता है, एफआईआर दर्ज करो। यानी कोर्ट-कचहरी के चक्कर शुरू करा दिए, और बच्चे का भविष्य खत्म। क्या यह सही है? अगर मैं उस समय एफआईआर के चक्कर में पड़ जाता, तो क्या मैं आज इस पद पर होता? बिल्कुल नहीं।

सवालः क्या यह कहना सही होगा कि वर्तमान आईपीएस वर्ग जमीन से कट गया है?

मिश्रः यह पूरी तरह सच है। पुलिसिंग कानून नहीं, समाज से संचालित होती है। लेकिन आज का आईपीएस समाज को कागज पर पढ़ता है, जमीन पर नहीं। कॉन्स्टेबल गलती और अपराध पहचानता था, आईपीएस सिर्फ अपराध ढूंढता है। उनके प्रशिक्षण का फोकस ह्यकानून लागू करना है, ह्यसमाज को समझना नहीं। जब आदेश और वर्दी दोनों संवेदना पर भारी पड़ जाएं, तब पुलिस मानव नहीं, मशीन बन जाती है। यही आज की सबसे बड़ी समस्या है।

सवालः क्या यह समस्या बढ़ती प्रतिस्पर्धा और ह्यजीरो टॉलरेंस मॉडल की देन है?

मिश्रः कहीं न कहीं हां। आईपीएस अधिकारी यह दिखाना चाहते हैं कि वे कठोर हैं, तेज हैं, कानून लागू करते हैं। हर अधिकारी अपने कार्यकाल में जीरो टॉलरेंस का ठप्पा चाहता है। लेकिन जीरो टॉलरेंस का दूसरा मतलब जीरो ह्यूमैनिटी नहीं होता। गलती और अपराध में अंतर समझना ही पुलिसिंग है। एक बच्चा अगर बाइक से किसी का पैर छू जाए तो यह दुर्घटना है, अपराध नहीं। दो छात्रों में बहस हो जाए तो यह स्वाभाविक है, अपराध नहीं। सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट डाल दे, यह भी हमेशा अपराध नहीं होता। लेकिन आज पुलिस हर चीज में अपराध ढूंढ लेती है। यहीं से अव्यवस्था की जड़ें निकलती हैं।

सवालः आपके नजर में सबसे बड़ा नुकसान किसे हो रहा है?

मिश्रः एक ही शब्द में जवाब दूं तो, युवाओं को। युवाओं के मन में डर भरना आसान है, लेकिन डर से कोई समाज नहीं चलता। एफआईआर का एक दाग बच्चे की पूरी जिंदगी रोक देता है, सरकारी नौकरी, सेना, बैंकिंग, विदेश पढ़ाई, वीजा, प्राइवेट सेक्टर, करियर ग्रोथ सब कुछ प्रभावित होता है। एक 18 साल के लड़के की जिंदगी एक 45 सेकंड की घटना के कारण 45 साल की पीड़ा में बदल जाती है। क्या यह सही है? क्या यही हमारा समाज चाहता है? क्या यही प्रशासन की जिम्मेदारी है? मैं तो कहूँगा, अपराध रोको, लेकिन युवाओं को अपराधी मत बनाओ।

सवालः समाधान क्या है? आप किस बदलाव की मांग करते हैं?

मिश्रः पिछले कुछ वर्षों में देशभर में कई घटनाएं सामने आईं जहां छोटी कहासुनी, युवा वर्ग के बीच मामूली झगड़े, या कॉलेजों के सामान्य तनाव को भी गंभीर आईपीसी धाराओं के तहत दर्ज कर लिया गया। सोशल मीडिया पोस्ट, नोकझोंक, कभी-कभी तो मजाक या आवेश में किए गए एक झटके को कानून की कठोरता के साथ जोड़ दिया जाता है। ऐसे में सवाल यह है कि पुलिस इस कठोरता तक पहुंची कैसे? समाधान बहुत सरल है, बस नीयत ठीक होनी चाहिए। मेरे सुझाव, 1. पहली गलती पर एफआईआर नहीं, चेतावनी देना अनिवार्य हो। कानून सुधार का पहला मौका देता है, भय का नहीं। 2. हर जिले में यूथ काउंसलिंग विंग होना चाहिए। जहां पुलिस, अभिभावक और शिक्षकों की संयुक्त भूमिका हो। 3. कॉलेज कैंपस में आईपीएस का दखल कम, सामाजिक संवाद अधिक हो। 4. गलतियों को पढ़ाई, मनोविज्ञान और सामाजिक आचरण के संदर्भ में समझा जाए। 5. पुलिस प्रशिक्षण में ह्यसमाजशास्त्र और युवा व्यवहार जोड़ना चाहिए। 6. आईपीएस अधिकारियों का ग्राउंड लेवल पर कम से कम सप्ताह में एक दिन उपस्थित होना अनिवार्य हो। 7. पुलिस की भूमिका डर पैदा करना नहीं, भरोसा बनाना होनी चाहिए। कानून तभी प्रभावी होता है, जब वह इंसानियत की भाषा बोलता है।

सवालः क्या यह माना जाए कि पुलिस व्यवस्था में संवाद और मानवीय रिश्ते खत्म होते जा रहे हैं?

मिश्रः हाँ, और यह बहुत खतरनाक संकेत है। कानून के पीछे इंसान छिप जाए तो व्यवस्था खोखली हो जाती है। पहले पुलिस पड़ोस का हिस्सा थी। उस समय पुलिस गलती को गलती मानती थी, अपराध नहीं। आज गलती को अपराध मानकर दंड दिया जाता है, जबकि सुधार की गुंजाइश ही खत्म कर दी गई है। लोग जानते थे कि यह हमारा ही आदमी है, जो हमें बचाने के लिए है। आज का पुलिसकर्मी दूर खड़ा दिखता है, जैसे कोई अलग से थोप दी गई ताकत हो। जितना संवाद कम होगा, विवाद उतने बढ़ेंगे। जितना भरोसा घटेगा, डर उतना बढ़ेगा। और डर से कोई राष्ट्र सुरक्षित नहीं बनता, न समाज, न भविष्य।

सवालः आपके इस बयान पर बहस और आलोचना दोनों होंगी। क्या आप इसके लिए तैयार थे?

मिश्रः मेरी बात किसी संस्था के खिलाफ नहीं है, बल्कि एक सोच के खिलाफ है। सख्ती का मतलब संवेदना की हत्या नहीं होता। अगर मेरी बात से कोई अधिकारी आहत होता है तो समझ लीजिए कि कही न कही उसके भीतर संवेदनशीलता की कमी है। मैं यह बात समाज, प्रशासन और युवाओं के हित में बोल रहा हूँ। यदि पुलिस गलतियां सुधारने का मौका नहीं देगी, तो समाज अपराधियों से भर जाएगा। हमारा लक्ष्य अपराध रोकना होना चाहिए, अपराधियों की संख्या बढ़ाना नहीं।

सवालः अंत में, युवाओं और पुलिस दोनों के लिए आपका संदेश?

मिश्रः युवाओं सेः गलती जीवन का हिस्सा है। लेकिन गलती दोहराना मूर्खता है। अपने भविष्य को अपने हाथों से न बिगाड़ें। पुलिस सेः कानून लागू कीजिए, लेकिन इंसानियत के साथ। हर गलती अपराध नहीं होती। किसी बच्चे को सुधार का अवसर देना उसके भविष्य को बचाना है, और यही पुलिसिंग का मूल उद्देश्य है। समाज सेः अपने बच्चों पर भरोसा रखिए। एक गलती उन्हें अपराधी नहीं बनाती, लेकिन समाज और पुलिस की कठोरता उन्हें अपराधी बना सकती है। संवेदनशील पुलिसिंग ही एक संवेदनशील समाज की नींव है। और संवेदनशील समाज ही मजबूत राष्ट्र बनाता है।

इसकी बड़ी वजह 1 - विकासोन्मुख समाज में ह्यजीरो टॉलरेंस नीति का दुरुपयोग, प्रशासन में सख्ती जरूरी है, पर सख्ती और संवेदनहीनता में फर्क है। 2 -टॉप-डाउन प्रेशर सिस्टमः आईपीएस अधिकारियों पर आधुनिक दौर में अपेक्षाएँ और दबाव दोनों बढ़े हैं, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग, राजनीतिक दबाव, त्वरित कार्रवाई की मांग। 3 - कानून-व्यवस्था बनाम करियरः पुलिस छोटे मामलों में भी अपराध दर्ज कर अपना प्रोफेशनलिज्म दिखाती है, लेकिन इससे युवाओं की भविष्य की संभावनाएँ खत्म हो जाती हैं। 4. सिस्टम में बढ़ती डीजीटल निगरानीः हर कार्रवाई रिकॉर्ड होती है, जिससे अधिकारी रिस्क लेने से बचते हैं। लेकिन इसका सबसे बड़ा दुष्प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है. सुधार का अवसर खत्म करना समाज को अपराधी बनाना है. अगर एक बच्चा या युवा गलती करता है, तो उसे सुधारने का अवसर देना समाज की जिम्मेदारी है। पर आज पुलिस सीधे उसे अपराधी की तरह ट्रीट करती है। इससे वह बच्चा संघर्षपूर्ण और टूटे हुए मन के साथ आगे बढ़ता है। वह अपराधी बनता नहीं, बल्कि बनाया जाता है। न्यायशास्त्र भी मानता है पहली गलती सुधार का अवसर है, दूसरी गलती चेतावनी की, तीसरी गलती अपराध की श्रेणी में आ सकती है, लेकिन पुलिस का वर्तमान दृष्टिकोण इस क्रम को उलट देता है।

बदलते समय की कानून व्यवस्था और पुलिस का दृष्टिकोणः समाज बदल रहा है। पहले गाँव-मोहल्ले में सामाजिक नियंत्रण था। बुजुर्ग समझा देते थे, शिक्षक रोक देते थे, परिवार मार्गदर्शन कर देता था। पुलिस अंतिम विकल्प होती थी। आज उलट स्थिति है, माता-पिता शिकायत लेकर पुलिस के पास जाते हैं, स्कूल-कॉलेज प्रशासन सीधे एफआईआर दर्ज करा देते हैं, पुलिस भी तत्काल कार्रवाई करके ह्लसख्त कार्यवाहीह्व का प्रदर्शन करती है, सोशल मीडिया इसे और भड़काता है। सवाल यह है, क्या इस कठोरता से समाज बेहतर हो रहा है या और उलझ रहा है? यह कथन कटु जरूर लगता है, लेकिन वास्तविकता से दूर भी नहीं है। आज अधिकांश आईपीएस अधिकारी, अत्यधिक तकनीकी, प्रोफेशन-ड्रिवन, आदेश-पद्धति आधारित, और कभी-कभी जमीनी हकीकत से दूर कार्यशैली अपनाते हैं। इसके उलट, पुराना पुलिस ढांचा स्थानीय समाज और मानवीय चरित्र को समझता था। छोटी गलतियों को अपराध बनाना, कानूनी और सामाजिक दुष्परिणाम. 1. पहचान संकट पैदा होता है. युवा अपने आपको अपराधी सिद्ध करने से पहले ही अपराधी समझने लगता है। 2. समाज भरोसा खो देता है. जिस पुलिस से न्याय और सुरक्षा की उम्मीद थी, वही भय का कारण बन जाती है। 3. कानून-व्यवस्था का बोझ बढ़ता हैः जितनी छोटी एफआईआर दर्ज की जाएगी, उतनी ही बड़ी फाइलों की संख्या और न्याय व्यवस्था की देरी। 4. बच्चों पर स्थायी दागः कई सरकारी नौकरियों, इमिग्रेशन, स्कॉलरशिप में एफआईआर का रिकॉर्ड जीवन भर असर डालता है। 5. मानसिक दबाव बढ़ता है. कई छात्र और युवा अवसाद, भय या अपराध-बोध की स्थिति में चले जाते हैं।

एमजंक्शन के द्वारा रिवेक्सा ने भारतीय निर्यातकों के लिए नई क्रॉस-बॉर्डर ट्रेड पेमेंट सुविधा लॉन्च की

मुंबई। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के रिवेक्सा प्लेटफॉर्म ने भारतीय निर्यातकों के लिए एक सहज और तेज क्रॉस-बॉर्डर ट्रेड पेमेंट समाधान की शुरूआत की है। यह समाधान इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर्स अथॉरिटी द्वारा निर्धारित नियामक ढाँचे का लाभ उठाकर वैश्विक भुगतान प्रक्रियाओं को सरल और कुशल बनाने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल का उद्देश्य भुगतान निपटान में देरी कम करना, लेनदेन की ट्रेसबिलिटी बढ़ाना और अनुपालन प्रक्रियाओं को आसान बनाना है। इस पहल पर बात करते हुए एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक विनया वर्मा ने कहा, यह पहल भारतीय निमार्ताओं की निर्यात यात्रा को सरल बनाने के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है। IFSCA के फ्रेमवर्क के अंतर्गत काम करते हुए और रिवेक्सा की भुगतान अवसंरचना को सुदृढ़ बनाकर, हमारा उद्देश्य क्रॉस-बॉर्डर लेनदेन में आने वाली बाधाओं को कम करना है, ताकि MSMEs अधिक स्पष्टता और आत्मविश्वास के साथ वैश्विक व्यापार कर सकें। IFSCA एकीकृत प्राधिकरण है जो अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्रों में वित्तीय उत्पादों, सेवाओं और संस्थानों के विकास और विनियमन का काम करता है। RXIL GlobÔl एक क्रॉस-बॉर्डर रसीद वित्तपोषण मंच है, जो निर्यातकों को अपनी इनवॉइस डिस्काउंट करने और अंतरराष्ट्रीय तरलता प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। वहीं, GlomopÔy एक फिनटेक प्लेटफॉर्म है जो अनुपालन-आधारित क्रॉस-बॉर्डर भुगतान समाधान और बिजनेस-उन्मुख वित्तीय अवसंरचना प्रदान करता है।

मोटोरोला ने मोटो जी 57 पावर लॉन्च किया

पटना : मोटोरोला, मोबाइल टेक्नोलॉजी में ग्लोबल लीडर और भारत का अग्रणी एआई स्मार्टफोन ब्रांड, ने आज 12,999 रुपये में अपना सर्वश्रेष्ठ बजट फोन मोटो जी57 पावर लॉन्च करने की घोषणा की। यह डिवाइस शक्तिशाली दुनिया के पहले स्नैपड्रैगन 6एस जेन 4 प्रोसेसर के साथ बजट श्रेणी को फिर से परिभाषित करता है, जो श्रेणी में सर्वोत्तम परफॉर्मेंस और मल्टी-टास्किंग के लिए है। इसमें बेहतरीन फोटोग्राफी अनुभव के लिए सेगमेंट का सर्वश्रेष्ठ 50 मेगापिक्सल सोनी लिटिया 600 कैमरा, स्लिमर डिजाइन के लिए 7000 एमएएच सिलिकॉन कार्बन बैटरी और एक 6.72 120 एचजेड एफएचडी प्लस डिस्प्ले दिया गया है। यह सब कुछ अल्ट्रा-प्रीमियम पैंटोन क्यूरेटेड वेगन लेदर डिजाइन में मिलता है। यह श्रेणी में सबसे बढ़िया परफॉर्मेंस और धमाकेदार तेज स्पीड प्रदान करता है। यह अल्ट्रा-स्मूथ मल्टीटास्किंग और लैग-फ्री गेमिंग सुनिश्चित करता है।

65 अवैध इमारतों में फंसे रहवासियों को मिलेगी राहत

अन्याय नहीं होने दिया जाएगा: डॉ. श्रीकांत शिंदे

कल्याण(उत्तरशक्ति)। डोंबिवली की 65 अवैध घोषित इमारतों में रहने वाले हजारों परिवारों को आज महत्वपूर्ण राहत की दिशा में बड़ा कदम मिला है। लंबे समय से बेघर होने की आशंका झेल रहे इन रहवासियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए शिवसेना के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की पहल पर आज मंत्रालय में नगर विकास विभाग के साथ उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक के दौरान डॉ. श्रीकांत शिंदे ने नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव श्री असीम गुप्ता से भी भेंट कर स्थिति की विस्तृत जानकारी साझा की और तत्काल राहत उपायों पर चर्चा की।

बिल्डरों की धोखाधड़ी, अदालत का आदेश–हजारों परिवार संकट में

इन इमारतों के रहवासियों के साथ बिल्डरों ने बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की है, जिसके चलते अदालत ने इमारतें खाली कराने के आदेश जारी किए हैं। इस निर्णय के कारण हजारों परिवार बेघर होने के खतरे से जूझ रहे हैं।

रहवासियों की इस गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉ. शिंदे ने जोर देकर कहा कि निष्पाप लोगों के साथ कोई अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और उन्हें उनके हक का घर दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए डॉ. शिंदे ने बताया कि न्यायालय के आदेशों का सम्मान करते हुए रहवासियों को राहत देने के सभी संभावित विकल्पों पर विस्तार से चर्चा हुई।

उन्होंने कहा कि रहिवासी हाउसिंग सोसायटी बनाकर कानूनी प्रक्रिया पूरी करें, जिससे जमीन का मालिकाना हक स्थानीय नागरिकों को देने में सुविधा होगी। हालाँकि पंजीकरण, दस्तावेज और 7/12 नामांतरण की प्रक्रिया में अभी भी कुछ तकनीकी अड़चनें मौजूद हैं।तेजी से शुरू होगा पंजीकरण; बिल्डरों पर कार्रवाई भी तेज डॉ. शिंदे ने बताया कि 65 इमारतों में से अधिकांश का पंजीकरण प्राथमिकता के आधार पर तुरंत शुरू किया जा सकता है, जिसके लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं।साथ ही, बिल्डरों पर कड़ी कार्रवाई की प्रक्रिया को भी तेज करने का निर्णय लिया गया है।राज्य का नगर विकास विभाग, ठाणे जिला प्रशासन और कल्याणडोंबिवली महानगरपालिका मिलकर एक संयुक्त प्रस्ताव तैयार करेंगे, जिसे आगामी मंत्रिमंडल बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा।

इससे रहवासियों को कानूनी सुरक्षा और स्थायी समाधान का मार्ग प्रशस्त होगा।बैठक में विधायक राजेश मोरे, ठाणे जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल, महापालिका आयुक्त अभिनव गोयल, तथा शिवसेना के विश्वनाथ राणे, नितीन पाटिल, रवी पाटिल, रवी म्हात्रे, राजन मराठे, गुलाब वझे, पंढरीनाथ पाटिल और सागर जेधे उपस्थित रहे।

केसीएन क्लब द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर व स्वास्थ्य मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। नोइंग सिटिजन्स नीड (केसीएन) क्लब कोंकड़ मंडल की ओर से पालघर जिले के वसई शहर के शिव समन इंडस्ट्रियल एस्टेट स्थित ओम इंटरप्राइजेज हॉल में 24 नवंबर 2025 को भव्य निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं स्वास्थ्य मार्गदर्शन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर पालघर युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष विजय मौर्या के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम की शुरूआत युवा मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विक्रम शुक्ला, समाजसेवी अमित सिंह राठौर एवं गुड्डू सिंह द्वारा फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर की गई। इसके बाद जन्मदिन समारोह के दौरान विजय धर्मराज मौर्या ने केक काटकर एवं आरती उतारकर उत्सव मनाया। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने स्वास्थ्य जांच और परामर्श का लाभ लिया। कार्यक्रम का संचालन क्लब पदाधिकारी अरविंद दुबे ने किया, जबकि अंत में क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी ने अतिथियों, चिकित्सकों, पत्रकारों तथा स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस सफल आयोजन के प्रोजेक्ट इंचार्ज चंदन झा एवं कोऑर्डिनेटर दिवाकर विश्वास रहे। इस कार्यक्रम में भोलानाथ तिवारी (निर्झरिणी संयोजक), मूर्धन्य भरतांचली, आचार्य कौशल तिवारी, योग गुरु हौसला प्रसाद दुबे, रुद्र मिश्र, सर्वेश तिवारी, राजेश पांडेय, नरेन्द्र बहादुर सिंह, मनोज दुबे, वेदप्रकाश मिश्र, प्रभात तिवारी, राधेश्याम गुरुजी, चंद्रेश कुमार, अंकुश कदम, मनोज डागा, आतिश दुबे सहित अनेक सम्मानित पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। मेडिकल टीम में डॉ. भावे, राजेंद्र संखे, रविंद्र वझे, जयेश पाटील, रश्मि संखे, सिधेश पाटील सहित अन्य पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहा, जिन्होंने शिविर में आये मरीजों की जांच व स्वास्थ्य सलाह प्रदान की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अतिथि, स्थानीय नागरिक तथा पत्रकारगण उपस्थित रहे और सभी ने इस सामाजिक पहल की सराहना की।

नगर परिषद चुनाव से पहले ड्राय डे घोषित, 1 से 3 दिसंबर तक शराब बिक्री पूर्णत: बंद

पालघर(उत्तरशक्ति)। आगामी जिला परिषद एवं पंचायत समिति चुनाव 2025 के मद्देनजर राज्य चुनाव आयोग के निर्देशानुसार पालघर, दहानू, जव्हार नगरपरिषद तथा वाडा नगरपंचायत क्षेत्रों में मतदान व मतगणना का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। इसके तहत मंगलवार 2 दिसंबर 2025 को मतदान होगा, जबकि बुधवार 3 दिसंबर 2025 को मतगणना की जायेगी। चुनावी प्रक्रिया शांतिपूर्ण, पारदर्शी व निष्पक्ष रूप से सम्पन्न हो, इसके लिए जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने संबंधित क्षेत्रों में ड्राय डे घोषित किये हैं। महाराष्ट्र मद्यनिषेध अधिनियम 1949 तथा चुनाव आयोग के 4 नवंबर 2025 के आदेश के अनुसार यह निर्णय लिया गया है। ड्राय डे का समय सारिणी इस प्रकार है–1 दिसंबर 2025 – मतदान के पूर्व दिवसः पूरे दिन सभी प्रकार की मदिरा लाइसेंस व बिक्री पूर्णतः बंद। 2 दिसंबर 2025 – मतदान दिवसः पूरा दिन शराब बिक्री बंद। 3 दिसंबर 2025 – मतगणना दिवसः मतगणना प्रक्रिया पूरी होने तक शराब बिक्री प्रतिबंधित रहेगा। यह प्रतिबंध पालघर, दहानू, जव्हार नगरपरिषद तथा वाडा नगरपंचायत, इन 3 नगरपरिषद एवं 1 नगरपंचायत क्षेत्रों में लागू रहेगा। जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने चेतावनी देते हुए कहा कि ड्राय डे के दौरान यदि कोई अनुज्ञप्तिधारक मदिरा बिक्री करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। साथ ही उन्होंने सभी संबंधितों से आदेशों का कड़ाई से पालन करने की अपील की है।

जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड की अध्यक्षता में कांदलवन संरक्षण एवं संवर्धन समिति की 36वीं बैठक सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। कांदलवन हमारे तटीय क्षेत्रों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच का कार्य करते हैं। जैवविविधता संरक्षण, समुद्री कटाव नियंत्रण एवं प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम को कम करने में ये अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए सभी विभागों को जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ कार्य करना आवश्यक है। ऐसा प्रतिपादन जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड ने कांदलवन तटीय क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर आयोजित बैठक में किया। इस बैठक में राजस्व, वन, भूमि अभिलेख विभाग, स्थानीय स्वराज संस्थाओं सहित विभिन्न सरकारी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। जिले में कांदलवन संरक्षण की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जिलाधिकारी तथा जिलास्तरीय कांदलवन संरक्षण एवं संवर्धन समिति की अध्यक्ष डॉ. इंदुरानी जाखड की अध्यक्षता में जिलाधिकारी कार्यालय में समिति की 36वीं बैठक आयोजित की गई। तटीय पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से यह बैठक विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही। बैठक के दौरान कांदलवन क्षेत्रों की सत्यापन प्रक्रिया, आरक्षित वन अधिसूचना, भूमि मापन, विभागीय समन्वय तथा शिकायत निवारण में तेजी लाने जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी डॉ. जाखड ने सभी संबंधित विभागों को कार्य में गति लाने हेतु निम्नलिखित स्पष्ट निर्देश दिए। जिसमें MRSAC के 2005 मानचित्र के अनुसार 4670.89 हेक्टर कांदलवन क्षेत्र का राजस्व एवं वन विभाग के संयुक्त पथक द्वारा तत्काल सत्यापन कर हस्तांतरण प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए गये। सर्वे नंबर/गुट नंबर वाली शासकीय भूमि को भारतीय वन अधिनियम 1927 अंतर्गत आरक्षित वन घोषित करने हेतु मराठी व अंग्रेजी में पाँच प्रतियों में प्रस्ताव तुरंत प्रस्तुत करने के आदेश उपविभागीय अधिकारियों को दिए गये। सर्वे नंबर/गुट नंबर रहित भूमि का संयुक्त निरीक्षण व मापन कर उन्हें सर्वे नंबर प्रदान करने की प्रक्रिया 15 दिनों के भीतर पूर्ण करने के निर्देश भूमि अभिलेख विभाग को दिए गये। रेलवे, सरकारी संस्थाएं तथा निजी व्यक्तियों को पट्टे या कब्जाधिकार से दी गई भूमि पर कांदलवन के अस्तित्व की वर्तमान स्थिति तथा इन जमीनों को वन विभाग को हस्तांतरित करने संबंधी अभिप्राय एकत्र करने के निर्देश दिए गये। वन विभाग को हस्तांतरित क्षेत्रों से संबंधित शिकायतों का नियमबद्ध तरीके से त्वरित निपटारा करने के निर्देश दिए गये।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने महेश दायमा को किया सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मीडिया क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए की मीडिया सॉल्यूशन के महेश दायमा को केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा सम्मानित किया गया । भारत 24 न्यूज चैनल की तरफ से ललित होटल में आयोजित कार्यक्रम में मीडिया जगत में उनके सराहनीय कार्य को देखते हुए बेस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया । इस मौके पर भारत 24 चैनल के मालिक जगदीश चंद्रा, कैबिनेट मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार भी उपस्थित थे। यह सम्मान मीडिया और पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान को प्रदर्शित करता है।

गुरुवर्य शिक्षा-महर्षि स्व. प. म. राऊत सर को मरणोपरांत जीवनगौरव पुरस्कार

शैक्षणिक कार्य का भव्य समारोह में सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिक्षा क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने वाले गुरुवर्य शिक्षा-महर्षि स्व.प. म. राऊत सर को मरणोपरांत जीवनगौरव पुरस्कार प्रदान कर उनके छे दशकों से अधिक के विलक्षण शैक्षणिक कार्य का सम्मान किया गया। यह भव्य समारोह शनिवार को मुंबई के रवींद्र नाट्य मंदिर में बड़े उत्साह और भावनात्मक वातावरण में आयोजित किया गया।

इस सम्मान समारोह का सफल संयोजन मुंबई शहर शिक्षक विकास मंडल की ओर से किया गया, जिसका दायित्व कार्यकारिणी सदस्य प्रा. डॉ. विशाल कडणे ने अत्यंत उत्कृष्ट रूप से निभाया।

समारोह में कई प्रतिष्ठित एवं नामचीन हस्तियां उपस्थित रहीं। विधायक अमित साटम, महाराष्ट्र भूषण पद्मश्री व वरिष्ठ अभिनेता अशोक सराफ, प्रसिद्ध संगीतकार अनु मलिक, नवोदित अभिनेता अभिनय लक्ष्मीकांत बेर्डे तथा सिद्धिविनायक ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष पवन त्रिपाठी ने उपस्थित रहकर राऊत के अद्वितीय शैक्षणिक योगदान को कृतज्ञता के साथ नमन किया। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को विधायक अमित साटम और अभिनेता अशोक सराफ के हस्ते प्रदान किया गया। संस्था की ओर से वरिष्ठ विश्वस्त माधवी नांदोस्कर और सचिव डॉ. विनय राऊत ने पुरस्कार ग्रहण किया। इस दौरान सभागृह भावनाओं से द्रवित हुआ और उपस्थित जनों की आंखों में गर्व व सम्मान की चमक दिखाई दी। गुरुवर्य राऊत सर ने महामुंबई शिक्षा संस्थान संघटन की स्थापना कर मुंबई के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों को एकजुट कर उन्हें मजबूत संगठनात्मक शक्ति प्रदान करने का अतुलनीय कार्य किया। शिक्षा को समाज परिवर्तन का हथियार मानने वाली उनकी विचारधारा और दूरदर्शी नेतृत्व का सभागृह में मौजूद प्रत्येक व्यक्ति ने खड़े होकर उत्स्फूर्त अभिवादन किया।

आशीर्वाद हिंदी हाई स्कूल में किया गया तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद का शुभारंभ

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। नागांव-चाविंद्रा स्थित आशीर्वाद हिंदी हाई स्कूल में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मशाल जलाकर व सरस्वती पूजन कर किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के भिवंडी शहर जिलाध्यक्ष व जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष मंगेश यादव, भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा भिवंडी शहर जिला के उपाध्यक्ष एडवोकेट राकेश पाल, नरेश झा फाउंडेशन के संस्थापक/अध्यक्ष मुकेश झा आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। मंगेश यादव ने अपने अध्यक्षीय भाषण में बच्चों को खेल-कूद के महत्व को विस्तार से समझाया और खेलने से होने वाले शारीरिक लाभों के बारे में उन्होंने बच्चों का मार्गदर्शन किया। साथ ही विभिन्न खेलों के जीतने वाले पांच दलों को उनकी ओर से ?1100 इनाम की घोषणा की गयी। विद्यालय के मुख्याध्यापक दीपक सिंह द्वारा उपस्थित सभी बच्चों का मार्गदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के मुख्याध्यापक सहित सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने विशेष सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक आकाश पांडे द्वारा किया गया।

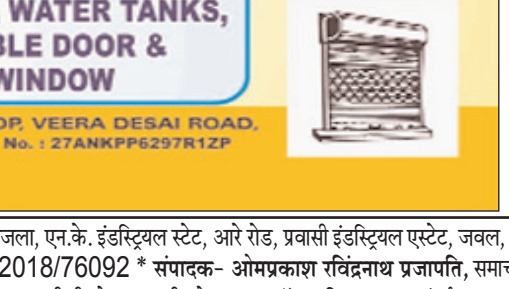

श्री नंदकिशोर सिंह 'जयराम जी' मेमोरियल इंटर स्कूल बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस की प्रतियोगिता संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदी विद्या प्रचार समिति घाटकोपर द्वारा संचालित हिन्दी हाई स्कूल में नंदकिशोर सिंह 'जयराम मेमोरियल इंटर स्कूल बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस की प्रतियोगिता दिनांक 21.11.2025 से 22.11.2025 तक विद्यालय के प्रांगण में संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में 27 स्कूलों के जूनियर तथा सीनियर वर्गों से 113 खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिसमें बैडमिंटन जूनियर लड़कों में ईशान अभिजीत देशमुख (बॉम्बे कैंब्रिज स्कूल, अँधेरी) प्रथम, तथा लड़कियों में रायशा कश्यप पटेल (द सोमैया स्कूल, विद्याविहार) और बैडमिंटन सीनियर लड़कों में आर्यन लक्ष्मेश पेडनेकर (आई.डी.यू.बी. एस. हाई स्कूल, भांडुप) प्रथम स्थान पर, तथा लड़कियों में गार्गी महेंद्र दभोलकर (आई.डी.यू.बी.एस. हाई स्कूल, भांडुप) प्रथम एवं टेबल टेनिस जूनियर लड़कों में स्वराज सूरज रेडकर (एस. एम. शेट्टी हाई स्कूल, पवई) प्रथम, तथा लड़कियों में हरणी पराग शाह (द सोमैया स्कूल, विद्याविहार) प्रथम और टेबल टेनिस सीनियर लड़कों में रिदांत समीर वेरुलकर (डॉन बॉसकों हाई स्कूल, विक्रोली) प्रथम स्थान पर, तथा लड़कियों में आरुषि सचिन शिरगाँवकर (पी. जी गरोड़िया हाई स्कूल, आई. सी. एस. सी., घाटकोपर) प्रथम स्थान पर रहे। विजेता खिलाड़ियों को डॉ. राजेन्द्र सिंह जी (अध्यक्ष, हिन्दी विद्याप्रचार समिति, घाटकोपर प., मुंबई ८६) द्वारा प्रमाण-पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेन्द्र कुमार डी. सिंह ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

सूर्या पानी आपूर्ति योजना में अड़चन अब दूर

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर की जलापूर्ति से संबंधित सूर्या उपसा जलयोजना में लंबे समय से लंबित तकनीकी अड़चन को दूर कर दिया गया है। मार्च 2026 से मीरा भायंदर महानगरपालिका को पूर्ण क्षमता के साथ पानी की आपूर्ति शुरू होगी, ऐसी जानकारी परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने दी। इस विषय पर मंत्रालय में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री सरनाईक ने संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक में मीरा भायंदर महानगरपालिका की आयुक्त राधा बिनोद शर्मा, अतिरिक्त कार्यकारी अभियंता राहुल नांदुरकर, टटपफ्ळअ के अधीक्षक अभियंता चेतन बेंबाळे, महापारेषण के कार्यकारी अभियंता अजय आठवले तथा जलसंपदा विभाग के अधीक्षक अभियंता संदीप नलावडे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। वर्तमान 33 केवी बिजली आपूर्ति अपर्याप्त सुर्या जलयोजना में पंप मशीनरी को पूरी क्षमता से चलाने के लिए आवश्यक विद्युत दाब उपलब्ध न होने के कारण पूर्ण क्षमता से जलापूर्ति में अड़चन आ रही थी।

अब 132 केवी बिजली आपूर्ति को मंजूरी महापारेषण ने सुर्या जलयोजना के लिए 132 केवी उच्च-दाब बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने की तकनीकी स्वीकृति दे दी है। यह आपूर्ति दिवा मार्ग से नई बन रही 132 केवी ट्रांसमिशन प्रणाली द्वारा उपलब्ध होगी। इस नई बिजली आपूर्ति के कारण पंपों की कार्यक्षमता 100% हो जाएगी, योजना के अनुरूप 218 लाख लीटर पानी पूर्ण क्षमता से उठाना संभव होगा और मीरा भायंदर शहर को नियोजित, स्थिर और बढ़ी हुई जलापूर्ति मिल सकेगी।

ट्रांसफॉर्मर स्थापना कार्य में तेजी नई ट्रांसमिशन लाइन और ट्रांसफॉर्मर की स्थापना तेजी से चल रही है और सभी कार्य मार्च 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। शेष कार्य भी मार्च 2026 के अंत तक पूरा किए जाएंगे। मीरा भायंदर शहर के लिए महत्वपूर्ण चरण नई बिजली आपूर्ति प्रणाली शुरू होने के बाद मीरा भायंदर की जलापूर्ति नियमित, सुचारू और शहर की बढ़ती आवश्यकताओं के अनुरूप होगी। शहर के विस्तार को ध्यान में रखते हुए सूर्या जलयोजना अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी, ऐसा मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा।

लेजेंड की वापसी: टाटा मोटर्स ने लॉन्च की ऑल-न्यू सिएरा

मुंबई। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने ऑल-न्यू टाटा सिएरा 11.49 लाख रुपये की शुरूआती कीमत पर लॉन्च की है। यह एक आइकॉन का पुनर्जन्म है जिसने तीन दशकों से अधिक समय से आकांक्षाओं, पहचान और यादों को आकार दिया है। नए जमाने के लिए दोबारा सोचकर बनाई गई सिएरा ने अपनी पुरानी शानदार विरासत और खास पहचान को बरकरार रखा है, साथ ही इसने आधुनिकता को भी अपनाया है। यह सफलता, अपनी अलग शख्सियत और खोजने के उत्साह का प्रतीक बनकर खड़ी है। सिएरा सिर्फ एक एसयूवी के रूप में वापसी नहीं कर रही है, बल्कि यह एक मूवमेंट भी है, जो भारत को बेहतर की चाहत करने और साधारण से ऊपर उठने के लिए उकसाती है।

टाटा सिएरा के नए अवतार को लॉन्च करते हुए, शैलेश चंद्रा, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने कहा, नई सिएरा के साथ हम भारतीय मोबिलिटी के लिए एक नया मापदंड तय कर रहे हैं। टाटा सिएरा यह साबित करती है कि ग्राहक अब साधारण से कहीं अधिक की अपेक्षा रखते हैं–उन्हें ऐसा इनोवेशन चाहिए जो प्रेरित करे, ऐसा डिजाइन चाहिए जो दिल से जुड़ जाए, और ऐसा प्रीमियम अनुभव चाहिए जो हर सफर को एक स्तर ऊपर ले जाए।

यह लेजेंड फिर से लौटी है–गर्व जगाने, अपनी अलग पहचान दिखाने और आगे बढ़ने की प्रेरणा देने के लिए। सिएरा आराम, अत्याधुनिक तकनीक और सुरक्षा के सर्वोच्च मानकों का मेल है। यह हमारे उस वादे का प्रतीक है जिसमें हम न सिर्फ नेतृत्व करना चाहते हैं, बल्कि पुरानी सीमाओं को तोड़ते हुए भारत को एक ऐसे आइकॉन से रूबरू कराना चाहते हैं जो मकसद और विशिष्टता के साथ देश की प्रगति को आगे बढ़ाए। जब सिएरा ने 1991 में अपनी पहली झलक दिखाई थी, तब वह भारत के लिए सचमुच कुछ बिल्कुल नया लेकर आई थी–एक साहसी सिल्हूट, प्रगतिशील डिजाइन और दूरदर्शी फीचर्स, जिन्होंने इसे देखते ही देखते एक आइकॉन बना दिया। यह सिर्फ एक वाहन नहीं थी; यह एक विश्वास का प्रतीक थी–इस बात का कि भारत औसत से बेहतर का हकदार है, कि गतिशीलता (मोबिलिटी) भी व्यक्तित्व का विस्तार हो सकती है और कि इंजीनियरिंग को सीमाओं से आगे बढ़ना चाहिए। आज वह लेजेंड नए रूप में लौट रही है–एक ऐसे अवतार में जिसे नए दौर के लिए दोबारा कल्पना की गई है।

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने ब्राइड्स ऑफ इंडिया कैंपेन का ग्रैंड 15वां एडिशन लॉन्च किया

मुंबई/पटना। हर भारतीय दुल्हन अपने साथ भावनाओं की एक दुनिया लेकर चलती है – वे रस्में जिन्हें देखते हुए वह बड़ी हुई है, वह संस्कृति जिससे वह जुड़ी है, वे यादें जो उसके करीब हैं और आभूषण जो उसके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक पर उसकी पहचान का हिस्सा बन जाते हैं। दुनिया की सबसे बड़ी सोने और हीरे की रिटेल चेन में से एक, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने भारत के समृद्ध सांस्कृतिक संरचना में दुल्हन के आभूषणों के महत्व को लंबे समय से समझा है। ब्राइडल रेंज में वे डिजाइन शामिल हैं जिन्हें मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने सोच-समझकर चुना, गढ़ा और विकसित किया है, ऐसे आभूषण जो पवित्रता, उद्देश्य और उत्कृष्ट कारीगरी के साथ तैयार किए गए हैं और हर दुल्हन की परंपराओं का सम्मान करते हैं। ब्राइडल क्राफ्ट्समैनशिप में गहरी विशेषज्ञता के साथ, ब्रांड ने देश भर में दुल्हनों की विशिष्ट परंपराओं का सम्मान करने वाले डिजाइन बनाने में एक बेजोड़ विरासत का निर्माण किया है। इस वर्ष के संस्करण में 22 दुल्हनें और 10 सेलिब्रिटी शामिल हो रही हैं - आलिया भट्ट, करीना कपूर खान, एनटीआर, कार्थी, अनिल कपूर, श्रीनिधि शेट्टी, रुक्मिणी मैत्रा, सब्यसाची मिश्रा, प्रार्थना बेहेरे और मानसी पारेख, जो अभियान के पैमाने, विविधता और भावनात्मक गहराई को दर्शाते हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पूर्व विधायक ने किया असहाय व्यक्तियों में कंबल का वितरण

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र अन्तर्गत चंदवक क्षेत्र के ग्राम सभा गोबरा में महाराष्ट्र के व्यवसाई ब्रह्मनारायण मिश्रा पप्पू के द्वारा आयोजित गरीब और असहाय 1,000 से अधिक व्यक्तियों को कंबल वितरित करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

उपरोक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर केराकत विधानसभा के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी उपस्थित रहे, पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने गरीब व्यक्तियों को कंबल वितरित कर ब्रह्मनारायण मिश्र पप्पू के द्वारा किए जा रहे इस समाज सेवा के सराहनीय कार्य की प्रशंसा भी की।

पूर्व विधायक ने कहा कि ईश्वर अगर आपको सामर्थ्यवान बनाएं तो आप दूसरों की मदद करिए,दूसरों की पीड़ा को पीड़ा समझेंगे और दूसरे का दुख दर्द बाटेंगे तो यही सही मायने में इंसानियत और सही मायने में आपके सामर्थ्यवान होने का प्रतीक भी होगा।

ग्रामवासियों/क्षेत्रवासियों ने समाजसेवी पप्पू मिश्रा के द्वारा किए जा रहे इस कार्य का खूब प्रशंसा किया। समाजसेवी पप्पू मिश्रा और उनके सुपुत्र रोहित मिश्रा से बात करने पर उन्होंने बताया कि मैं प्रत्येक वर्ष ऐसा कार्यक्रम करता रहता हूं। लोगों की निस्वार्थ सेवा ही मेरे जीवन का अब उद्देश्य बन गया है और आगे भी मेरे द्वारा ऐसे कार्यक्रम गरीब असहाय व्यक्तियों की सेवा के लिए होता रहेगा।

उक्त अवसर पर भाजपा, थानागद्दी मंडल के अध्यक्ष योगेश मिश्रा,अशोक मिश्रा,सच्चिदानंद मिश्रा, युवा मोर्चा के जिला मंत्री गौतम मिश्रा गोलू, आत्मा पाठक, हेमनाथ पाठक,चौहरजा पाठक एवं ग्राम के प्रधान प्रकाश शर्मा सहित सैकड़ो गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य कर रही है प्रदेश सरकार: गिरीश यादव

शिक्षा की अलग जगाने वाले रिटायर्ड जज रामप्रसाद व द्वारिका प्रसाद की प्रतिमा का किया अनावरण

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रदेश सरकार के खेल व युवा कल्याण राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि जिले के इस अति पिछड़े क्षेत्र में शिक्षा का अलग जगाने वाले उच्च न्यायालय के रिटायर्ड जज स्वर्गीय आरपी यादव ने अपने दादा द्वारिका प्रसाद यादव की प्रेरणा से शिक्षा की जो अलख जगाई वह आज पूरे जिले के लिए मिसाल बन गई है। इस गांव से निकले एक दर्जन न्यायाधीश के रूप में बेटे बेटियां प्रदेश में विभिन्न पदों पर तैनात हैं। वह रविवार को द्वारिका प्रसाद इंटर कॉलेज सफीपुर परिसर में आयोजित भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आठ जून 1985 को इस विद्यालय की स्थापना किया। जहां से निकले तमाम बच्चे आज देश दुनिया और विश्व स्तर पर इस क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे। इस विद्यालय परिवार को भरोसा दिया कि विद्यालय के हित मे जो भी जरूरत होगी हम हमेशा खड़े रहेंगे।

मुख्य अतिथि राज्यमंत्री गिरीश चंद यादव समारोह के पहले द्वारिका प्रसाद और हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज आरपी यादव की प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि लोक अदालत जौनपुर के न्यायाधीश प्रशांत कुमार ने भी उपस्थित जनों को संबंधित किया।

इसके पहले मऊ के अपर जिलाजज जनार्दन प्रसाद यादव ने विद्यालय के बारे में विस्तार से रूपरेखा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार विषम परिस्थितियों में इस विद्यालय की स्थापना कर शिक्षा के क्षेत्र में उच्च प्रगति पर ले जाया गया।

अपर जिलाजज मऊ जनार्दन प्रसाद यादव व उनके पुत्र अंशुमान यादव सिविल जज चित्रकूट व रिटायर्ड अपर जज हरीश कुमार यादव ने उपस्थित राज्यमंत्री को स्मृति चिन्ह बुके और सम्मान स्वरूप अंग वस्त्रम भेंटकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के अध्यक्षता तेजमणि यादव व संचालन समाजसेवी राजदेव यादव ने किया।

समारोह में सरदार जसविंदर सिंह, प्रशांत कान्हा एडवोकेट उच्चतम न्यायालय, कार्यक्रम के अंत में रिटायर्ड जज हरीश कुमार यादव ने उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर चंदौली जनपद धानापुर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख विनोद सिंह, शंभू प्रजापति प्रवक्ता, नंदलाल यादव, प्राचार्य ओम प्रकाश यादव बड़े, पूर्व पेशकार शिवकुमार यादव, संजय सिंह एडवोकेट वाराणसी, हरीनाथ यादव एडवोकेट, राजेंद्र श्रीवास्तव, घनश्याम यादव एडवोकेट हाईकोर्ट, ब्रह्मदित्य यादव, श्याम कन्हैया यादव एडवोकेट, सूबेदार यादव, डॉ लाल बहादुर यादव, उमाशंकर यादव, प्रधानाचार्य अशोक यादव अन्य रहे।

कई न्यायाधीश समेत बेटियों का हुआ सम्मान

जौनपुर। प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने इस समारोह में कई न्यायाधीश समेत विद्यालय की बेटियों और प्रतिभाओं को सम्मानित किया। जिनमें सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण जौनपुर के अपर जिला जज प्रशांत सिंह, विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट जनपद मऊ रमेश चंद्र राय, अपर शासकीय अधिवक्ता सिविल कोर्ट लखनऊ के सुरेश चंद यादव, डॉ चन्द्रजीत मौर्य, राकेश राजभर, प्राचार्य ऋषिकेश यादव, रमेश चंद्र राय, कोऑपरेटिव के अवकाश प्राप्त क्षेत्रीय प्रबंधक ऋषिकेश यादव, प्राथमिक शिक्षक संघ मार्टिनगंज ब्लॉक के उपाध्यक्ष शिक्षक नेता राजेंद्र यादव, पत्रकार इन्द्रजीत सिंह मौर्य मुख्य रहे। कार्यक्रम का संचालन कर रहे राजदेव यादव ने उपस्थित जनों के प्रति आभार जताया। विद्यालय की प्रतिभाशाली विभिन्न क्षेत्रों में टॉपर रही 42 बेटियों को राज्यमंत्री ने अपने हाथों से स्मृति चिन्ह और सम्मान स्वरूप अंग वस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया। राज्यमंत्री ने समारोह में 100 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किया।

मिस्टर फ्रेशर नवीन और मिस फ्रेशर का खिताब अनन्या को

◆ पीयू में 'लहर 2025' फ्रेशर्स पार्टी, नई प्रतिभाओं ने जीता दिल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के वित्त एवं नियंत्रण विभाग में सत्र 2025-27 के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत हेतु भव्य फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर स्थित रज्जू भैया संस्थान में किया गया। समारोह में प्रबंध अध्ययन संकाय के अध्यक्ष प्रो. डॉ. अजय द्विवेदी, डॉ. सुशील कुमार, अध्ययन विभाग के प्रमुख प्रोफेसर डॉ . आलोक कुमार गुप्ता,डॉ. परमेंद्र विक्रम सिंह, डॉ. मनोज कुमार त्रिपाठी, सहायक प्रोफेसर उद्देश्य सिंह, यशी सिंह एवं शशांक भारती उपस्थित रहे। संकायाध्यक्ष प्रो अजय द्विवेदी ने घोषणा की कि पूरे कार्यक्रम की संरचना एवं क्रियान्वयन हेतु

कक्षा प्रतिनिधि द्वय अपेक्षा सिंह और विवेक यादव को भी सम्मानित किया जाएगा कार्यक्रम की थीम 'लहर-नए चेहरों की यात्रा नए रोमांच के साथ' रही, जिसने प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के विश्वविद्यालय जीवन की नई शुरूआत को प्रतीकात्मक रूप में दर्शाया। संचालन मेहर सिद्दीकी और रीति मिश्रा ने जीवंत अंदाज में किया, वहीं एकल एवं समूह नृत्य, गायन, शायरी और मंचीय प्रस्तुतियों ने दर्शकों को आकर्षित किया। सत्यप्रकाश, प्रतीक, मुस्कान, मानसी, ब्यूटी, आरती, हिमांशु, सर्वेश यादव, अरविंद, आकांक्षा, सभ्यता, कृति, शिवांगी, शिवम, सुष्मिता, आशीष, विजय प्रताप, नवीन, अंजली आदि ने अपनी प्रस्तुतियों से तालियाँ बंटोरीं। प्रतियोगिता के आधार पर मिस्टर फ्रेशर का खिताब नवीन सिंह

और मिस फ्रेशर का खिताब अनन्या साहू ने जीता। मिस्टर परफॉर्मर का सम्मान सूर्यांशु मिश्रा और मिस परफॉर्मर का सम्मान शिवांगी सिंह को मिला। मिस्टर क्लासी ड्रेस्ड का पुरस्कार आदर्श विश्वकर्मा और मिस क्लासी ड्रेस्ड का सम्मान ज्योतिका मिश्रा को प्रदान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विवेक, श्रेया, कंचन, आँचल, रिशु, सहर, कशिश, सबीहा, अंकुश, रिद्धेश, रोहित जय, अपेक्षा, राहुल सहित आयोजन समिति के सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही।

बीएलओ पूनम यादव की मोहल्ला सिपाह की जनता नें की प्रशंसा

घर-घर जाकर एस.आई.आर. फार्म वितरण कर खुद भरकर कर रही हैं जमां

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एसङ्क्र आई0 आर0 का फार्म वितरण का कार्य नगर पंचायत केराकत के मोहल्ला सिपाह प्रथम वार्ड नंबर 9 की बीएलओ पूनम यादव पूरी तरह से सक्रिय हैं और इनके द्वारा किया जा रहा है। जो खुद घर-घर सम्पर्क कर एस० आई० आर० फार्म वितरण से लेकर संग्रह करनें का कार्य पूरी वफा दारी, दमदारी और जिम्मेदारी के साथ कर रही हैं। इसी क्रम में केराकत नगर के मोहल्ला सिपाह प्रथम की जिम्मेदारी सम्भाल रहीं पूनम यादव के कार्य को लेकर वार्ड वासी काफी प्रशंसा करते हुवे नजर आ रहे हैं। मोहल्ला सिपाह प्रथम वार्ड के निवर्तमान सभासद एवं भाजपा नेता मोहम्मद असलम खॉन नें बताया कि मेरे वार्ड मोहल्ला सिपाह प्रथम की बी० एल० ओ० पूनम यादव जी के द्वारा डोर टू डोर घर-घर जाकर जिस जिम्मेदारी के

साथ एस०आई०आर० का फार्म वितरण के साथ उसे भरवानें और जमां करनें में मदद कर रही हैं। वह काफी प्रशंसनीय कार्य है। पूर्व प्रधानाध्यापक तुफानी खान, समाजसेवी अमजद खान, मोहम्मद अली, नें उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक से वार्ता करते हुए कहा किं नगर क्षेत्र में चल रहे एस० आई० आर० 2026 अभियान के कार्य में मोहल्ला सिपाह प्रथम वार्ड नंबर (9) की बी० एल० ओ० पूनम यादव पूरी जिम्मेदारी, वफादारी, के साथ अपनें कार्य को अन्जाम दे रही हैं। जिनकी सराहना खुद मोहल्ला सिपाह प्रथम की आम जनता भी बी०एल०ओ० पूनम यादव के कार्य की खूब सराहना कर रही है।

मुंबई से घर लौट रहे युवक की दोस्त ने ही की गोली मारकर हत्या

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंबई से घर लौट रहा एक युवक अपने ही दोस्त की साजिश का शिकार बन गया। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के छाछो चकमुबारकपुर गांव निवासी रमाकांत यादव (29) की हत्या उसके परिचित ने रास्ते में ही गोली मारकर कर दी और फिर शव को जंगल में छिपा दिया।

18 नवंबर को रमाकांत मुंबई से कामायनी एक्सप्रेस द्वारा घर के लिए रवाना हुआ था। प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर-9 पर उसके ट्रेन से उतरने की सीसीटीवी फुटेज भी मिली थी। लेकिन वह घर नहीं पहुंचा। 19 नवंबर की रात उसने पत्नी रेखा यादव को फोन कर कहा था कि एक घंटे में घर पहुंच जाऊंगा। परंतु उसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। 20 नवंबर को घर न पहुंचने पर परिजनों ने मछलीशहर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने जांच शुरू की और संदिग्धों पर नजर रखी।

मंगलवार सुबह सिकरारा थाना क्षेत्र में पुराने बरगदर पुल के पास झाड़ियों में स्थानीय लोगों ने एक शव देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शिनाख्त कराई तो वह रमाकांत यादव का ही शव निकला। सिर में गहरे चोट के निशान थे।

जंगल में छिपाया शव

गुमशुदगी की जांच के दौरान पुलिस को पड़ोस के गांव के युवक अशोक कुमार यादव पर संदेह हुआ। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने चौंकाने वाली सच्चाई उगल दी।

अपर पुलिस अधीक्षक देहात आतिश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी अशोक कुमार यादव ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि मृतक से उसका पैसे को लेकर विवाद था और पूर्व में दोनों के बीच मारपीट भी हो चुकी थी। इसी रंजिश में उसने हत्या की योजना बनाई।

एएसपी ने आगे बताया कि प्रयागराज से लौटते समय अशोक ने रमाकांत को अपनी गाड़ी में बैठाया और सिकरारा थाना क्षेत्र के समाधगंज के पास उसे गोली मार दी। हत्या के बाद पकड़े जाने के डर से उसने शव को पास के जंगल में ले जाकर झाड़ियों में छिपा दिया।

अशोक की निशानदेही पर पुलिस ने न केवल शव बरामद किया बल्कि घटना में प्रयुक्त हथियार (आलाकत्ल) भी बरामद कर लिया। मौके पर फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। शव मिलते ही गांव में मातम का माहौल फैल गया। पिता शिवबहादुर यादव ने रोते हुए बेटे की पहचान की। पत्नी रेखा, दोनों छोटे बच्चे युवराज और ऋषभ तथा परिजन बदहवास हैं और आरोपी पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक देहात आतिश कुमार सिंह ने बताया कि हत्या के इस जघन्य मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने कहा कि घटना गंभीर है। मृतक के परिजनों को न्याय दिलाने के लिए पुलिस हर पहलू की गहराई से जांच कर रही है। यह सनसनीखेज घटना पूरे जौनपुर जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है।

स्व.मिर्जा अनवर बेग की पुण्यतिथि पर इंटर कॉलेज में श्रद्धांजलि कार्यक्रम

क्विज प्रतियोगिता में मौलाना आजाद सदन अव्वल

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मिर्जा अनवर बेग इंटर कॉलेज उसरहटा में सोमवार को संस्थापक एवं पूर्व प्रबंधक स्व. मिर्जा अनवर बेग की पुण्यतिथि शहीद दिवस के रूप में मनाई गई। सुबह आयोजित प्रार्थना सभा में प्रधानाचार्य नौशाद अहमद खान ने स्व. बेग के व्यक्तित्व, कृतित्व और शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के बाद शिक्षकों व विद्यार्थियों ने मस्जिद कुब्बतुल इस्लाम में कुरानखानी कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दुआ की।

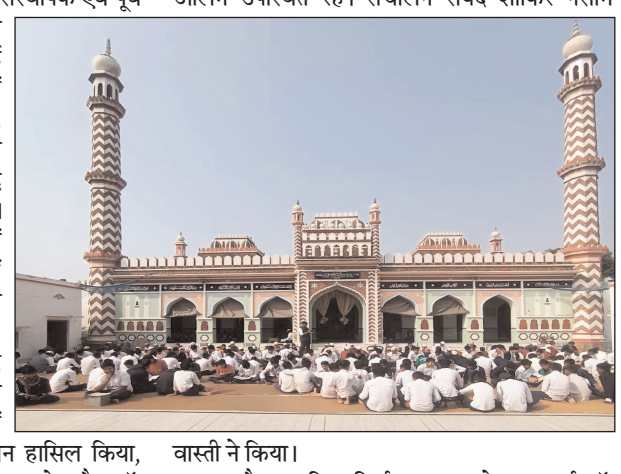

इस अवसर पर स्व. मिर्जा अनवर बेग मेमोरियल क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता में मौलाना आजाद सदन ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि सर अल्लामा इकबाल सदन दूसरे और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सदन तीसरे स्थान पर रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंधक अल्तमश बरलास ने की और मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रधानाचार्य शहंशाह आलम उपस्थित रहे। संचालन सैयद शाकिर नसीम वास्ती ने किया।

इस दौरान सचिव मिर्जा अजफर बेग, प्राचार्य डॉ. एन.पी. उपाध्याय, डॉ0 सलीम खान, अतहर खान, सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएँ मौजूद रहे।

जौनपुर के बीएलओ ने खाया जहर, लगाया काम में प्रेशर डालने का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के सरायख्वाजा क्षेत्र के ग्राम मलनी गांव निवासी बीएलओ ने जिला गोंडा के जैतपुर माझा में ड्यूटी के दौरान जहर खा लिया है। सहायक अध्यापक विपिन यादव ने अस्पताल में इलाज के दौरान

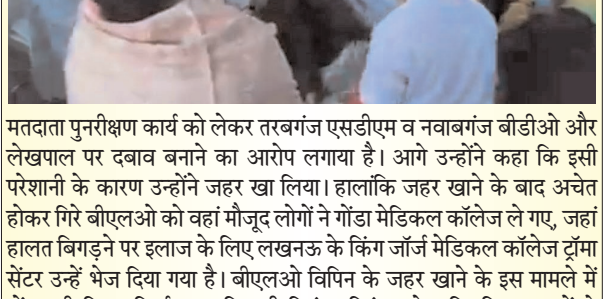

मतदाता पुनरीक्षण कार्य को लेकर तरबगंज एसडीएम व नवाबगंज बीडीओ और लेखपाल पर दबाव बनाने का आरोप लगाया है। आगे उन्होंने कहा कि इसी परेशानी के कारण उन्होंने जहर खा लिया। हालांकि जहर खाने के बाद अचेत होकर गिरे बीएलओ को वहां मौजूद लोगों ने गोंडा मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां हालत बिगड़ने पर इलाज के लिए लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज ट्रॉमा सेंटर उन्हें भेज दिया गया है। बीएलओ विपिन के जहर खाने के इस मामले में गोंडा की जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन ने पारिवारिक कारणों से परेशान होकर जहर खाना बताया है। हालांकि, विपिन यादव ने अपने बयान में काम को लेकर प्रेशर बनाने का आरोप लगाया है।

मेगा डिजिटाइजेशन डे पर एडीएम ने विधानसभा 366 जौनपुर के बूथ व हेल्प डेस्क का किया आकस्मिक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मेगा डिजिटाइजेशन डे पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयबर चौहान द्वारा विधानसभा 366 जौनपुर के बूथ व हेल्प

डेस्क का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही विभिन्न स्थानों पर स्थापित डिजिटाइजेशन सेंटर टीडी कॉलेज, नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय तथा कलेक्ट्रेट सभागार का भी निरीक्षण किया गया और विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अंतर्गत गणना प्रपत्रों के संग्रहण, डिजिटाइजेशन के कार्य को गति देने हेतु एईआरओ, सुपरवाइजर, बीएलओ को संतोषजनक प्रगति लाए जाने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। हेल्प डेस्क पर कार्मिकों की तैनाती कर लोगों को एस0 आई0 आर0 फॉर्म भरने में सहायता की जा रही है। सभी नगर निकायों द्वारा भी लाउडस्पीकर और माइक अनाउंसमेंट के माध्यम से लोगों को एस0आई0आर0 फॉर्म भरते हुए जमा करने की अपील की जा रही है।

स्व. अजय कुमार की किताब 'राग जौनपुरी' का विमोचन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हिन्दी भवन के अध्यक्ष, सुपरिचित साहित्यकार, पत्रकार एवं संस्कृतिकर्मी अजय कुमार के 85वें जन्मदिवस पर आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने उन्हें जौनपुर की प्रसिद्ध गंगा-जमुनी संस्कृति का मूर्तिमान प्रतीक बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि उनका बहुआयामी जीवन विलक्षण था। वे एक साथ कवि, गद्यकार, चित्रकार, मूर्तिकार, घुमक्कड़, फिल्मकार और प्रगतिशील वैचारिकी के समर्पित कार्यकर्ता के तौर पर सात दशकों तक सक्रिय रहे।

हिन्दी भवन सभागार में सोमवार को आयोजित संगोष्ठी में अजय कुमार द्वारा दिवंगत होने के दो दिन पहले पूरी की गई किताब राग जौनपुरी का विमोचन हुआ। जौनपुर के अतिरिक्त दूसरे जिलों-इलाकों से आए हुए साहित्यकारों-पत्रकारों एवं संस्कृतिकर्मियों ने कहा कि जौनपुर शुरू से ही सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल रहा है। 'राग जौनपुरी' में अजय कुमार ने विद्यापति के हवाले से जौनपुर को दो तहजीबों का संगम कहा और अपने लेखन से यह साबित किया है कि इसी में जौनपुर का दिल धड़कता है।

'राग जौनपुरी' किताब में जौनपुर से संबंधित अनेक तथ्यों और सुनी-अनसुनी घटनाओं का जिक्र है लेकिन पूरी किताब सामाजिक एकता पर ही केंद्रित है, जिसकी आज सबसे ज्यादा जरूरत महसूस की जा रही है। प्रमुख वक्ताओं में डॉक्टर अख्तर सईद, अजय विक्रम सिंह, के.के. पांडेय (इलाहाबाद), मनोज सिंह (गोरखपुर), मित्ररंजन (दिल्ली), उदय यादव, तूलिका, अंकुर राय, , मोहम्मद हफीज, डॉ. प्रतीक मिश्र, अरविंद उपाध्याय, इब्रत मछलीशरी, अमृत प्रकाश, आशा सिंह, अंसार जौनपुरी, आर पी सोनकर, संजय सेठ और किताब के प्रकाशक संजय जोशी आदि शामिल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्यकार डॉ. धीरेंद्र पटेल और संचालन राम नरेश (गोरखपुर) ने किया।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन शाम को कवि सम्मेलन और मुशायरा भी आयोजित हुआ जिसमें इब्रत मछलीशहरी, अहमद निसार, डॉ. अहमद सरीद, विभा तिवारी, मित्ररंजन, धीरेंद्र कुमार पटेल सहित कई प्रतिभाशाली कवियों एवं शायरों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। कार्यक्रम के आखिर में हिन्दी भवन संचालन समिति द्वारा सर्वसम्मति से नियुक्त हिन्दी भवन के नये अध्यक्ष अपल कुमार सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

शाह का पंजा इमामबाड़ा की जमीन के पास रोका गया रोड निर्माण

वक्फ की जमीन पर निर्माण का है आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ऐतिहासिक इमामबाड़ा शाह का पंजा (बाबूपुर) थाना जाफराबाद में जहां 20 रमजान को पूरे शहर के शिया समुदाय के अजादार हजरत अली अलैहिस्सलाम की शहादत की याद में जुलूस निकालकर यहां आते हैं और मगरिब की नमाज इमामबाड़े की जमीन पर बा-जमात होती है। नमाज के बाद यहां लोग रोजा इफ्तार करते है। वहां पर एक रास्ते का निर्माण हो रहा है, जिसको लेकर शिया समुदाय में काफी आक्रोश है और इन लोगों का कहना है कि यह जमीन शाह के पंजे इमामबाड़े में वक्फ है और कुछ लोगों की मिली भगत से यहां पर सड़क निर्माण का कार्य हो रहा है। वहीं मुत्तवली तहसीन शाहिद (सभासद भाजपा) का कहना है कि इस मामले की शिकायत प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लेकर डीएम-एसपी को पत्र व जनसुनवाई पर की गई है। रविवार को अंजुम हुसैनिया के अध्यक्ष सकलैन हैदर खान, पूर्व सभासद शाहिद मेंहदी, आरिज जैदी, फरमान हैदर सहित अन्य लोगों ने सड़क निर्माण का विरोध करते हुए कहा कि राजस्व की टीम नाप कर दे यदि भूमि सरकारी या अन्य किसी की हो तो निर्माण करा सकता है, लेकिन ये भूमि इमामबाड़े पर वक्फ है तो निर्माण नहीं हो सकता है। बिना वक्फ बोर्ड की इजाजत से क्योंकि ये धार्मिक मामला है। फिलहाल मौके पर थानाध्यक्ष जफराबाद श्रीप्रकाश शुक्ला अपनी फोर्स के साथ पहुंचे और उन्होंने दोनों पक्षों से बात करने के बाद एक सप्ताह का समय दिया है कि राजस्व के कर्मचारी यहां पर आकर नाप करेंगे और जो सही होगा, उसके हिसाब के साथ ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल दोनों पक्ष मान गए।

बरसठी के सिरौली ग्रामसभा में बीएलओ उषा देवी द्वारा एसआईआर फॉर्म का कार्य शुरू

घर-घर जाकर किया जा रहा सत्यापन

बरसठी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिरौली ग्रामसभा में बी.एल.ओ उषा देवी द्वारा एस.आई.आर (एसआईआर) फॉर्म भरने का कार्य व्यवस्थित ढंग से किया जा रहा है। उषा देवी गांव के प्रत्येक घर में जाकर नागरिकों के आधार कार्ड, पहचान पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच कर फॉर्म में दर्ज जानकारी का सत्यापन कर रही हैं।

मतदाता सूची के शुद्धिकरण और रिकॉर्ड को सटीक बनाए रखने के लिए यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। उषा देवी ने ग्रामवासियों से अनुरोध किया है कि वे आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराते हुए सहयोग करें, जिससे सभी प्रविष्टियाँ समय पर और सही रूप में दर्ज हो सकें। ग्रामीणों का कहना है कि बी.एल.ओ द्वारा किया जा रहा यह अभियान पारदर्शी और उपयोगी है, जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना कम होगी।

खस्ताहाल सड़क को बनवाने की लोगों ने किया मांग

सड़क में गड्ढा की गड्ढे में सड़क, सड़क की गिट्टियां उखड़कर गड्ढे में तब्दील

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर औड़िहार रेल खण्ड नाइन के भैरोभानपुर अन्डरपास से लगाय राजपुर सुरहुरपुर ग्राम तक को जोड़ने वाली पीच रोड सड़क मार्ग काफी खस्ताहाल दशा में होने के कारण आम राहगीरों का पैदल चलना काफी गम्भीर हालत हो गया है। गौरलब हो कि काफी लम्बे समय से उक्त सड़क की पीच समेत गिट्टियां उखड़कर पूरी सड़क पर भारी गढ्ढे बन चुके हैं।

हालात यह है कि उपरोक्त सड़क पर पैदल चलना अपनी मौत को खुला आमंत्रण देनें के समान है जबकि उक्त सड़क मार्ग पर आये दिन स्कूल वाहनों समेत अन्य वाहनों की आवाजाही का सिलसिला अनवरत जारी रहता है। लोक निर्माण विभाग के क्षेत्राधिकार में आने वाली उपरोक्त सड़क मार्ग अपनी दयनीय दशा पर आंसू बहा रहा है। वहीं दूसरी तरफ क्षेत्रीय सांसद और विधायक उधर मुड़ कर भी देखना गवारा नहीं समझते हैं। गढ्ढों में बदल चुकी सड़क की गिट्टियां पूरी सड़क से लगाय पटरियों तक बिखर चुकी होने से पैदल चलना भी काफी दुश्वारियों भरी राह हो गयी है। क्षेत्रीय नागरिकों कैलाशनाथ पाण्डेय, वेदप्रकाश पाण्डेय, ओ0पी0 पाण्डेय, रमेश पाण्डेय, क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य पति प्रतिनिधि पप्पू सरोज, लल्लन पाण्डेय, रामफेर गौतम, मुन्ना गौतम, आदि प्रमुख लोगों नें लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों एवं जनपद के तेजतर्रार लोक प्रिय जिलाधिकारी का ध्यान इस ओर करते हुए सड़क निर्माण शीघ्र कराये जानें की मांग की है।

वसई में बड़ा हादसा टला, भाजपा कार्यकर्ता जितेंद्र पांडे बने मददगार

वसई रोड। आज सुबह लगभग 9 बजे वसई पश्चिम के आनंद नगर नौपाड़ा इलाके में एक बड़ा हादसा होने से टल गया। जानकारी के अनुसार, सीमेंट से भरा एक टेम्पो रास्ते से गुजरते समय टूटे हुए गटर के ढक्कन में फँस गया। क्षेत्र के लोगों का कहना था कि इस गड्ढे के कारण अक्सर वाहन चालकों को परेशानी होती है और कभी भी गंभीर दुर्घटना हो सकती थी। इसी दौरान भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एडवोकेट जितेंद्र पांडे मौके पर पहुंचे और उन्होंने तुरंत टेम्पो चालक की सहायता की। उनकी पहल से टेम्पो को सुरक्षित बाहर निकाला गया। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि टूटे हुए गटर ढक्कन को लेकर लंबे समय से शिकायतें थीं। संभावित दुर्घटना को देखते हुए स्नेहा ताई दुबे पंडित के मार्गदर्शन में एडवोकेट पांडे ने तुरंत कार्रवाई करते हुए लगभग एक घंटे के भीतर गटर का ढक्कन बदलवाया और नगर पालिका में आधिकारिक शिकायत भी दर्ज कराई। उनकी तत्परता के चलते एक बड़ा हादसा होने से बच गया। आसपास के लोगों ने एडवोकेट जितेंद्र पांडे के इस लोकहितकारी कार्य की जमकर सराहना की।

सेंट ऑगस्टीन स्कूल, वसई की ऐतिहासिक जीत

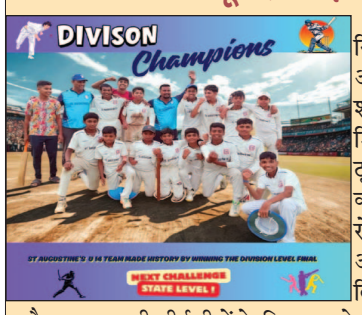

वसई रोड। वसई पश्चिम स्थित सेंट ऑगस्टीन स्कूल की अंडर-14 क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डिवीजन लेवल क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर इतिहास रच दिया है। इस रोमांचक जीत के साथ टीम अब स्टेट लेवल टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर चुकी है और महाराष्ट्र की शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलने के लिए पूरी तरह तैयार है। खिलाड़ियों की उत्कृष्ट तैयारी, मजबूत टीमवर्क और जीत की तीव्र इच्छा ने इस सफलता में अहम भूमिका निभाई। टीम के कोच पवन कुमार और मेंटर सर रोस्टन ने खिलाड़ियों को रणनीतिक मार्गदर्शन दिया, वहीं स्कूल के प्रिंसिपल ब्रदर विनय के निरंतर प्रोत्साहन और सहयोग ने टीम का मनोबल बढ़ाए रखा। स्कूल प्रशासन, शिक्षकों और अभिभावकों ने टीम की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए हार्दिक बधाई दी है। वसई के नागरिक भी इस जीत से उत्साहित हैं और टीम को स्टेट लेवल प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएँ दे रहे हैं। अब पूरे वसई की उम्मीदें सेंट ऑगस्टीन स्कूल की युवा टीम पर टिकी हैं, जो राज्य स्तर पर एक और शानदार प्रदर्शन करने को तैयार है।

विवाह समारोह में यादव समाज के प्रमुख पदाधिकारी हुए सम्मिलित

जौनपुर। जौनपुर जनपद के गोसाईंपुर, पोस्ट इमलो गांव में उत्तर यादव युवा संघ गुजरात प्रदेश के कोषाध्यक्ष अरुण यादव जी के सुपुत्र सिकंदर यादव का विवाह समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर देशभर से यादव समाज के प्रतिष्ठित पदाधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उत्तर यादव युवा संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव, संघ के राष्ट्रीय सचिव जितेन्द्र जगरदेव यादव, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष एवं सपा गुजरात प्रदेश सचिव हरिराम कन्हैया लाल यादव, संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष विजय यादव, वलसाड जिला कोषाध्यक्ष किशन यादव, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष श्याम कन्हैया यादव, एडवोकेट हरविन्दर यादव, सुनील कैलाश यादव जी सहित अनेक सम्मानित व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी अतिथियों ने नवविवाहित दंपति को शुभाशीष देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों एवं अतिथियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जिससे समारोह का वातावरण और भी उत्साहपूर्ण हो गया।

भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा मीरा-भयंदर की नई कार्यकारिणी का आयोजन

मीरा-भयंदर। भारतीय जनता पार्टी, उत्तर भारतीय मोर्चा, जिला मीरा-भयंदर की नई कार्यकारिणी की घोषणा के उपलक्ष्य में एक भव्य नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आमदार नरेंद्र मेहता के शुभहस्तों से नियुक्तियां संपन्न हुईं। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष दिलीप जैन, उत्तर भारतीय मोर्चा जिला अध्यक्ष संतोष दीक्षित, और भाजपा जिला महासचिव ज्ञानेंद्र सिंह की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में के.डी. प्रजापति को उत्तर भारतीय मोर्चा जिला महासचिव के रूप में नियुक्त किया गया। इसके साथ ही, अन्य पदाधिकारियों जैसे राज पाठक (जिला महासचिव), कमलेश डूबे (महासचिव), उपाध्यक्ष आशीष द्विवेदी, सुरेंद्र सिंह, राम अवतार राय, और युवा अध्यक्ष गुलाब पाल, महिला अध्यक्ष रीता सिंह सहित कई पदाधिकारियों को उनके नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और उत्साह दोनों ही बढ़ गए। नई कार्यकारिणी के गठन से जिला संगठन की मजबूती और आगामी गतिविधियों में गति मिलने की उम्मीद जताई गई।

भाजपा वसई रोड मंडल द्वारा फ्री आई चेक-अप कैंप सफलतापूर्वक आयोजित किया

वसई। भारतीय जनता पार्टी वसई रोड मंडल द्वारा आयोजित फ्री आई चेक-अप कैंप को स्थानीय नागरिकों की ओर से बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। रविवार को आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों लोगों ने पहुँचकर अपनी आंखों की जांच करवाई। यह कार्यक्रम भाजपा वसई रोड मंडल के सेंट्रल ऑफिस, पंडित दीनदयाल नगर, वसई (वेस्ट) में आयोजित किया गया। कैंप का आयोजन ह्यसम्यक लजन्या हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टरों के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा वसई रोड मंडल के अध्यक्ष महेश सरवणकर, दक्ष फाउंडेशन के अध्यक्ष सुरेश प्रजापति, कोंकण विकास अघाड़ी के पूर्व जिला अध्यक्ष जितेंद्र वेंगुर्लेकर, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुगंधा खानविलकर और बकुलभाई मेहता ने दीप प्रज्वलन कर किया। दिनभर चले इस कैंप में नवघरझमानिकपुर क्षेत्र के बड़ी संख्या में नागरिकों ने हिस्सा लिया। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व पार्षद शेखर धुरी, छोटू आनंद, सुधाकर भानुशाली, मैथ्यू कोलासो, प्रदेश सर चिटनिस अपर्णा पाटिल, साईराज पवार, रवींद्र चव्हाण, प्रकाश जाधव समेत कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। कैंप को सफल बनाने में भाजपा वसई रोड बोर्ड के जनरल सेक्रेटरी दीपक शर्मा, अर्जुन इंगोले, चेतन पागे, स्मिता वेंगुर्लेकर, जिग्ना पिटवा, शीतल सोनी, सुशीला व्यास, मीना बारोट, लता सेनवा, अंजलि सोलंकी, कीर्तिदा शाहा और अन्य पदाधिकारियों व स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्थानीय नागरिकों ने भाजपा वसई रोड मंडल द्वारा किए गए इस जनसेवा कार्य की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे उपयोगी स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की मांग की।

भोजपुरी साहित्य और सिनेमा के बीच की मजबूत कड़ी है : मनोज भावुक

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज भोजपुरी भाषा व साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड के बंगरा गांव पहुंचे विख्यात कवि, सह संपादक, फिल्म गीतकार व पत्रकार मनोज भावुक। प्रघुवीर सिंह पुस्तकालय में व्याख्यान के दौरान कवि भावुक ने 50 पुस्तकें डोनेट करने का वादा किया। साहित्यकार मनोज भावुक ने पूरी दुनिया में भोजपुरी भाषा व साहित्य के विख्यात कवि, संपादक, फिल्म गीतकार व पत्रकार माने जाते हैं। बताते चलें कि 2024 में बिहार के तत्कालीन राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उद्घाटन किया था। मनोज भावुक मॉरिशस, युगांडा, नीदरलैंड, लंदन, व दुबई में अनेक संस्थाओं से संपर्क कर उनके पुस्तकालयों में भोजपुरी की पुस्तकें भेजते हैं। भोजपुरी भाषी व प्रेमी इन पुस्तकों का लाभ ले रहे हैं। भोजपुरी भाषा के उत्थान व प्रचार-प्रसार का यह कवि की ओर से अनूठा प्रयोग है। विदित है कि मनोज 2007 में लंदन में अपनी इंजीनियरिंग की नौकरी छोड़कर भोजपुरी भाषा की सेवा करने में लगे हैं। कवि मनोज भावुक भोजपुरी साहित्य और सिनेमा के बीच की मजबूत कड़ी है। हाल ही में एक फिल्म रिलीज। हुई है आपन कहाये वाला के बा। इसके सारे गीत मनोज भावुक ने लिखे है जिसे तीन पीढियां एक साथ सुन सकती हैं। पुस्तकालय को गाँव के युवाओं के मानसिक विकास के लिए जरूरी बताते हुए मनोज ने अपनी हालिया प्रकाशित पुस्तक भोजपुरी सिनेमा के संसार पुस्तकालय को भेंट की दो और लोकप्रिय किताब भी भेंट की। इस अवसर पर पत्रकार भास्कर कुमार एवं कुमार राज कपूर ने पुस्तकालय का स्मृति चिन्ह व शॉल देकर भावुक को सम्मानित किया।

पंचायत चुनाव की आहट, गांवों में सरगर्मी तेज

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार में विधान सभा चुनाव बीते हीं पंचायत चुनाव की हलचल अब गांवों में जोर पकड़ने लगी है। बताया जा रहा है कि सिवान जिला के महाराजगंज मंडल क्षेत्र में 2026 अप्रैल में पंचायत चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने की प्रबल संभावना है। हालांकि आधिकारिक तौर पर चुनाव की तिथि की घोषणा अभी नहीं हुई है, लेकिन राजनीतिक गलियारों से लेकर गांव की चौपालों तक चुनावी चचाएं तेज हो गई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में संभावित प्रत्याशियों ने जनसंपर्क अभियान शुरू कर दिया है। कहीं चौपाल पर चर्चा हो रही है तो कहीं चाय की दुकानों पर पंचायत की सत्ता का गणित तय किया जा रहा है। वहीं, भावी प्रत्याशी अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय हो गए हैं। कई स्थानों पर प्रत्याशियों ने सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेना तेज कर दिया है। कोई किसान चौपाल लगा रहा है, तो कोई युवाओं की बैठक लेकर विकास के सपने दिखा रहा है। संभावित महिला प्रत्याशियों ने भी गांव की महिलाओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की कवायद शुरू कर दी है। स्व-सहायता समूह, आंगनबाड़ी केंद्रों और स्वयंसेवी संगठनों की बैठकों में महिलाएं बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। सोशल मीडिया भी राजनीति में नई भूमिका निभा रही गांवों में जनप्रतिनिधियों के पिछले कार्यकाल का लेखा-जोखा भी अब चर्चा का विषय बन गया है। लोग अपने वर्तमान मुखिया, पंचायत समिति सदस्य और वार्ड सदस्य के कामकाज की समीक्षा करने लगे हैं। कई स्थानों पर लोग खुलकर अपनी राय रखने लगे हैं कि किसका काम संतोषजनक रहा और किसे इस बार मौका नहीं मिलना चाहिए। ग्रामीण मतदाता इस बार विकास, सड़क, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवागमन जैसी मूलभूत सुविधाओं के आधार पर चुनावी समर्थन तय करने की बात कह रहे हैं। दूसरी ओर सोशल मीडिया भी ग्रामीण राजनीति में नई भूमिका निभा रहा है। कई संभावित प्रत्याशी फेसबुक, वाट्स ग्रुप और अन्य डिजिटल माध्यमों से अपनी सक्रियता दिखाने में जुटे हैं। पोस्टर, बैनर, डिजिटल कार्ड और वीडियो संदेशों के माध्यम से लोगों तक पहुंच बनाने की कोशिश शुरू हो गई है। ग्रामीण इलाकों में धीरे-धीरे बैठकों, चचाओं और प्रचार-प्रसार का दौर शुरू हो चुका है। अब गांव में सुबह की चौपाल से लेकर रात की पंचायत तक चुनावी सुगबुगाहट साफ दिखने लगी है। चुनावी बिगुल भले ही आधिकारिक रूप से न बजे हो, लेकिन गांवों के माहौल ने यह साफ कर दिया है कि पंचायत चुनाव अब ज्यादा दूर नहीं है।

प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के लिए आगे आए ज्ञान प्रकाश सिंह,500 से अधिक मरीजों को किया पोषण सामग्री वितरित

जौनपुर। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत पोषण सामग्री वितरण कार्यक्रम रविवार को आयोजित किया गया, जिसमें श्रीमती अमरावती श्रीनाथ सिंह चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्ञान प्रकाश सिंह द्वारा राजकीय लीलावती महिला चिकित्सालय में (टीबी अस्पताल के बगल में) टीबी मरीजों को पोषण सामग्री का वितरण किया गया। लगभग 500 से अधिक टीबी मरीजों को यह सामग्री मुहैया कराई गई जिससे टीबी मरीजों को टीबी रोग से निजात मिले।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने उनकी सराहना करते हुए कहा कि ज्ञानप्रकाश सिंह अपनी मातृभूमि के प्रति गहरा भाव रखते हैं और समय समय पर जौनपुर के लिए महत्त्वपूर्ण सेवा कार्य करते रहते हैं। आज का पोषण सामग्री वितरण इस अभियान का अब तक का सबसे बड़ा कार्यक्रम है, जिसकी प्रशंसा की जानी चाहिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. लक्ष्मी सिंह ने कहा कि ज्ञानप्रकाश सिंह जैसा समाजसेवी मिलना दुर्लभ है, जो वर्षों से स्वास्थ्य विभाग को लगातार महत्त्वपूर्ण सहयोग देते आ रहे हैं।

इस मौके पर ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का टीबी मुक्त भारत अभियान सराहनीय है। इस अभियान से काफी हद तक भारत टीबी मुक्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान में प्रशासन का सहयोग होने के साथ साथ पोषण सामग्री वितरित करके वे इस अभियान को आगे बढ़ाने का बस कर रहे हैं। हालांकि ज्ञान प्रकाश सिंह ने इस लीलावती महिला चिकित्सालय का जीर्णोद्धार भी करा चुके हैं। इससे पहले उन्होंने कोरोना काल में सुईथाकला ब्लॉक के पकड़ी गांव में 5 अनाथ बच्चों को गोद लेकर उनकी एफडी बनवाएं थे। गौरतलब हो कि हाल ही में भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्ञान प्रकाश सिंह ने अहियापुर मोड़ के पास स्थित सीतापुर आंख अस्पताल में लगभग 15 लाख रुपए की टॉप क्लास की मशीन भेंट की थी, जिससे पहले की अपेक्षा अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ी है। अस्पताल आने वाले मरीज न अपनी आंखों के उपचार के पश्चात ज्ञान प्रकाश सिंह के प्रति आभार प्रकट कर रहे हैं।

इसके साथ ही महामारी के दौरान लगातार 78 दिनों तक भोजन वितरण, जरूरतमंदों तक ऑक्सीजन सिलेंडर और दवाओं की सप्लाई तथा मरीजों को उपचार दिलाने के लिए फ्री एम्बुलेंस सेवा जैसी जनसेवाएं भी निरंतर संचालित की थी। इसके अलावा जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में समय समय पर आवश्यक सामग्री और उपकरण भी उपलब्ध कराए जाते रहे हैं। इस कार्यक्रम के साक्षी डीएम डॉ. दिनेश चंद्र, एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव, सीएमओ डॉ. लक्ष्मी सिंह, जिला टीबी अधिकारी डॉ. विशाल यादव एवं डॉ. डी.एस. सिंह सहित विभाग के कर्मचारी, अधिकारी एवं गणमान्य लोग बने। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुशील अग्रहरी ने किया।

एक स्वस्थ भविष्य आज की मेनिन्जाइटिस वैक्सीन पर निर्भर

मुंबई। मेनिन्जाइटिस, जिसे ब्रेन फीवर के नाम से भी जाना जाता है, एक गंभीर लेकिन टीके से रोके जाने योग्य संक्रमण है, जो विशेष रूप से बच्चों के लिए गंभीर स्वास्थ्य चिंता का विषय है। मेनिन्जाइटिस जागरूकता पहल का उद्देश्य इस बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसे खत्म करने के वैश्विक प्रयासों को आगे बढ़ाना है, साथ ही समय पर पहचान और टीकाकरण के माध्यम से इसके बचाव के जीवनरक्षक महत्व को उजागर करना है।

हर साल विश्वभर में 2.5 मिलियन से अधिक मामलों की रिपोर्ट होती है, जिससे मेनिन्जाइटिस एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बन जाता है। इस बीमारी से मृत्यु होने वाले लगभग 70% लोग पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चे होते हैं। मुंबई के एथर्व चाइल्ड केयर के पीडियाट्रिशियन, डॉ. दीपक गांधी बताते हैं, मेनिन्जाइटिस अक्सर सामान्य बीमारियों जैसे लक्षणों के साथ दिखाई देता है, जिससे परिवार सतर्क नहीं हो पाते। टीकाकरण एक्सपोजर से पहले सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे व्यक्तिगत जोखिम और समुदाय में फैलाव दोनों कम होते हैं। इम्यूनो-कॉम्प्रोमाइज्ड व्यक्तियों या विदेश यात्रा करने वाले छात्रों के लिए वैक्सीन अनिवार्य है, विकल्प नहीं।

भारत मेनिन्जाइटिस से होने वाली मौतों की सबसे अधिक संख्या वाले शीर्ष तीन देशों में शामिल है। तीव्र बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस के तीन प्रमुख रोगजनकों में से, नेइसेरिया मेनिन्जिटिडिस का मृत्यु दर उपचार के बावजूद 15% तक और बिना उपचार के 50% तक पहुँच सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि 2 वर्ष से कम उम्र के भारतीय बच्चों में नेइसेरिया मेनिन्जिटिडिस के मामलों में वृद्धि हुई है।

कुएं में मिली लाश, बेटे का पिता पर हत्या का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के एत्मादपुर गांव में मंगलवार को उस वक्त हडकंप मच गया, जब गांव के पास स्थित एक कुएं में एक महिला की लाश तैरती मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकलवाया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना स्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुटी रही। मृतका की पहचान 36 वर्षीया गीता देवी पत्नी सतीश कुमार यादव के रूप में हुई।

उनका शव घर से करीब 50 मीटर दूर स्थित कुएं में मिला। परिजनों ने महिला की हत्या कर शव कुएं में फेंके जाने का आरोप लगाया है। बेटों ने अपने पिता द्वारा माँ की हत्या का करने का आरोप लगाया है। मृतका के के तीन बेटे हैं अंशु यादव, प्रांजल यादव और 13 वर्षीय श्रेयांश यादव करता है। 16 वर्षीय बेटे प्रांजल यादव ने बताया कि पिता का गांव की एक महिला से प्रेम संबंध चल रहा था। सोमवार की रात घर में विवाद हुआ, जिसके बाद मां ने बच्चों का कमरा बाहर से बंद कर दिया। ष्हम लोग खाना खाकर सो गए।

सुबह उठे तो मां नहीं मिलीं। खोजबीन में पता चला कि कुएं में किसी ने हत्या कर लाश फेंक दी। परिवार का आरोप है कि सतीश कुमार यादव की गांव की एक महिला से संबंध था। इसी को लेकर घर में आए दिन विवाद होता था। पुलिस ने इन्द्रकला पासवान को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतका की बहन अनीता यादव ने बताया कि इन दोनों में श्वार साल से विवाद चल रहा था। सतीश अक्सर प्रेमिका के चक्कर में गीता से झगडा करता था। चार साल पहले उसने गीता को बहुत बुरी तरह मारा था। हम समझाने गए तो गालियां दीं। हम लोग ही खर्चा चलाते थे। तीन बच्चे हैं, उनके साथ इंसाफ होना चाहिए।

शाहगंज की सरस्वती व गीता यादव का उत्कृष्ट प्रदर्शन

दोनों बीएलओ ने अपने बूथों पर शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर जिले में बनाया रिकॉर्ड, राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर मिलेगा सम्मान

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विधानसभा क्षेत्र-365 के शाहगंज ब्लॉक सोंधी अंतर्गत बूथ संख्या 32, ग्राम बड़ौना की बीएलओ श्रीमती गीता यादव (आंगनवाड़ी कार्यकत्री) ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण रक्फ्र-2026 अभियान में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर पूरे जिले में पहचान बनाई है। कुल 628 मतदाताओं वाले इस बूथ पर संध्या राय ने भी शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा कर मिसाल पेश की। इसी तरह, भाग संख्या 125, ग्राम पूरा दरिया की बीएलओ सावित्री यादव ने भी 459 मतदाताओं वाले अपने बूथ पर 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर सराहनीय कार्य किया। दोनों द्वारा किए गए इस उत्कृष्ट प्रदर्शन की जिलेभर में प्रशंसा हो रही है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुणाल गौरव ने दोनों बीएलओ के प्रयासों की सराहना करते हुए घोषणा की कि उन्हें आगामी राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी ने विधानसभा क्षेत्र के सभी बीएलओ को प्रेरित करते हुए कहा कि वे भी इसी तरह समयबद्ध और जिम्मेदारीपूर्ण ढंग से अपने दायित्वों को पूरा करें, ताकि रक्फ्र-2026 अभियान को पूर्ण सफलता मिल सके।

बीएचयू में मनोवैज्ञानिक बाल विकास पर 3 दिन करेंगे मंथन

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में बाल विकास पर राष्ट्रीय सेमिनार/ सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन 27, 28 व 29 नवंबर 2025 को सेमिनार हॉल, साइंस फैकेल्टी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय में नई सुबह इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड बिहेवियरल साइंसेज के बैनर तले आयोजित किया गया है ' जिसमें देशभर से मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता बच्चों के व्यवहारिक मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक विकास पर मंथन करेंगे। कार्यक्रम के बारे में राष्ट्रीय सेमिनार के संयोजक एवं नई सुबह संस्था के संस्थापक अध्यक्ष डॉ .अजय तिवारी ने बताया कि भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली द्वारा सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम के तहत यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसमें तीन दिनों तक देश के विभिन्न संस्थाओं से आए हुए विशेषज्ञ बाल विकास पर मंथन करेंगे तथा साइंटिफिक सेशन के दौरान शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। सायंकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सेमिनार में विशेष शिक्षक, पुनर्वास मनोवैज्ञानिक, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, मनोविज्ञान के छात्र एवं प्रोफेशनल्स सक्रिय भागीदारी करेंगे। आयोजन में वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार तिवारी, डॉ .अमित तिवारी, अनुराग तिवारी, राजीव सिंहा, गौरव चक्रवर्ती, अर्पिता मिश्रा सक्रिय भूमिका है।

भारतीय जनता मजदूर संघ ने चार श्रम संहिताओं के लागू होने पर धन्यवाद किया

विरार। भारतीय जनता मजदूर संघ ने देशभर में चार श्रम संहिताओं के लागू होने के निर्णय का गर्मजोशी से स्वागत किया और इसके लिए भारत सरकार का हार्दिक धन्यवाद किया। भारतीय जनता मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शांत प्रकाश जाटव ने कहा कि इन संहिताओं से देश के करोड़ों मजदूरों के जीवन स्तर में व्यापक सुधार होगा और श्रमिकों की सुरक्षा, सम्मानजनक वेतन, सामाजिक सुरक्षा और बेहतर कार्य वातावरण सुनिश्चित होगा। उन्होंने इसे श्रमिकों को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम बताया।

भारतीय जनता मजदूर संघ पूरे देश में व्यापक जागरूकता अभियान चलाएगा, ताकि संगठित तथा असंगठित क्षेत्र के प्रत्येक श्रमिक तक नई श्रम संहिताओं के अधिकार और लाभ पहुँच सकें।

किसान के हाथ पैर बांधकर लाठी डंडों से पीटकर हत्या

रायबरेली(उत्तरशक्ति)। ओया गांव निवासी समरजीत उर्फ विनीत (38) की सोमवार रात नलकूप पर सोने के दौरान लाठी-डंडे से पीटकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने से पहले हमलावरों ने विनीत के हाथ-पैर तक रस्सी से बांध दिए थे। घटना के बाद शव को खेत में फेंककर हमलावर फरार हो गए। फिलहाल घटना को अंजाम देने का कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। इनमें से तीन को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

भावना एवं यश का पाणिग्रहण संस्कार संपन्न

मुंबई। निर्मला फाउंडेशन की अध्यक्ष प्रो. डॉ.शशिकला पटेल एवं महासचिव डॉ अमर बहादुर पटेल की सुपुत्री इंजीनियर भावना का पाणिग्रहण संस्कार आशा एवं राजकुमारजी टोपरे के सुपुत्र प्रबंधक यश के साथ अकोला में संपन्न हुआ। मुंबई आगमन पर निर्मला फाउंडेशन के कार्याध्यक्ष समाजसेवी शिक्षाविद् चंद्रवीर बंशीधर यादव एवं गिरधारी लाल पंडित ने नवविवाहित जोड़े को बधाई दी है।

अग्रवाल दिगंबर जैन संस्था का वार्षिकोत्सव व कवि सम्मेलन सम्पन्न

मुंबई। अग्रवाल दिगंबर जैन संस्था का वार्षिकोत्सव डी जे खेतान आडिटोरियम मालाड मुंबई में धूमधाम से संपन्न हुआ। संस्था के अध्यक्ष अतुल कुमार जैन ने संस्था द्वारा किए गए कार्यों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। यह संस्था समाज के उत्थान, विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय, लोगों में जैन धर्म के प्रचार-प्रसार व महत्व को बढ़ाने का काम करती है। इस अवसर पर एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें हास्य सम्राट सुरेश मिश्र के संचालन में महेश दूबे, लाफ्टर चैंपियन फेम गौरव शर्मा, शायरा व अभिनेत्री लता हया,व राना तबस्सुम ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को लोटपोट कर दिया।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री व विधायिका श्रीमती विद्या ठाकुर, वरिष्ठ भाजपा नेता जयप्रकाश ठाकुर, एचपीसी के पूर्व चेयरमैन शशिकांत जैन सहित समाज के तमाम गणमान्य लोग उपस्थित थे। समारोह को सफल बनाने में आशीष जैन, श्रीमती नेहा जैन, गोपाल जैन, रीता जैन, सीमा जैन, मयंक जैन, प्रवीण जैन, रमेश जैन ने अथक प्रयास किया ।संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन संस्था के महामंत्री शरद जैन ने किया। आशीष जैन ने मेहमानों का स्वागत किया। अंत में अतुल जैन ने सबके प्रति आभार व्यक्त किया।